इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति"।।

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

वर्ष- 43 | अंक -284 | राजनांदगांव, सोमवार 02 सितंबर 2024 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 4.00 रुपए

स्वस्तिक
स्पोर्टस, म्यूजिकल एण्ड फिटनेस आयटम
खेल सामग्री
वाद्य यंत्र, बैण्ड गुड्स, इलेक्ट्रॉनिक आर्गन, आक्टोपैड,
नाटक- रामलीला गुड्स, दरी, टाटापट्टी के थोक व चिल्हर विक्रेता एवं सुधारक
शो-रुम - जी.ई. रोड, राजनांदगांव ● सिनेमा लाईन, राजनांदगांव
फोन: 07744-407791, 7440777791
Email : Swastikstoresrjn@gmail.com ● www.swastikstores.com

अदालती सुनवाई स्थगन संस्कृति बदलना समय की मांग - मुर्मु

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने न्याय के प्रति आस्था और श्रद्धा की भावना को भारत की परंपरा का हिस्सा बताते हुए रविवार को कहा कि अदालतों में सुनवाई संबंधी स्थगन की संस्कृति को बदलने के लिए हरसंभव उपाय किए जाने चाहिए। श्रीमती मुर्मु ने उच्चतम न्यायालय की ओर से आयोजित जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन पर 800 से अधिक न्यायिक अधिकारियों और न्यायाधीशों को संबोधित करते हुए ये अपील की। इस अवसर पर उन्होंने शीर्ष अदालत के ध्वज और प्रतीक चिन्ह का भी अनावरण किया।

सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि न्याय के प्रति आस्था और श्रद्धा की भावना हमारी परंपरा का हिस्सा रही है। अपने पूर्व के संबोधन का जिक्र करते हुए उन्होंने दोहराया कि लोग देश के हर न्यायाधीश को भगवान मानते हैं। हमारे देश के हर न्यायाधीश और न्यायिक अधिकारी का नैतिक दायित्व है कि वे धर्म, सत्य और न्याय का सम्मान करें।

उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर यह नैतिक दायित्व न्यायपालिका का प्रकाश स्तंभ है। जिला स्तर की अदालतें करोड़ों नागरिकों के मन में न्यायपालिका की छवि निर्धारित करती हैं। इसलिए जिला अदालतों के माध्यम से लोगों को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कम खर्च पर न्याय दिलाना ही हमारी न्यायपालिका की सफलता का आधार है।

राष्ट्रपति ने कहा कि अपनी स्थापना के बाद से ही भारत के उच्चतम न्यायालय ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की न्यायिक प्रणाली के सजग प्रहरी के रूप में अपना अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने भारतीय न्यायपालिका से जुड़े सभी वर्तमान और पूर्व लोगों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के कारण भारतीय न्यायशास्त्र का बहुत सम्मानजनक स्थान है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के वर्षों में जिला स्तर पर न्यायपालिका के बुनियादी ढांचे, सुविधाओं, प्रशिक्षण और मानव संसाधनों की उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार हुआ, लेकिन इन सभी क्षेत्रों में अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। उन्हें विश्वास है कि सुधार के सभी आयामों पर तेजी से प्रगति जारी रहेगी। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि लंबित मामलों और लंबित मामलों की संख्या न्यायपालिका के सामने एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने 32 वर्षों से अधिक समय तक लंबित मामलों के गंभीर मुद्दे पर विचार करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विशेष लोक अदालत सप्ताह जैसे कार्यक्रमों का अधिक से अधिक आयोजन किया जाना चाहिए। इससे लंबित मामलों से निपटने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि इस सम्मेलन के एक सत्र में केस प्रबंधन से संबंधित कई पहलुओं पर चर्चा की गई। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन चर्चाओं से व्यावहारिक परिणाम सामने आएंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा संविधान पंचायतों और नगर पालिकाओं के माध्यम से स्थानीय स्तर पर विधायी और कार्यकारी निकायों की शक्ति और जिम्मेदारियों का प्रावधान करता है। उन्होंने जानना चाहा कि क्या हम स्थानीय स्तर पर इनके समतुल्य न्याय प्रणाली के बारे में सोच सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय भाषा और स्थानीय परिस्थितियों में न्याय प्रदान करने की व्यवस्था करने से न्याय को हर किसी के दरवाजे तक पहुंचाने के आदर्श को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि हमारी न्यायपालिका के सामने कई चुनौतियां हैं, जिनके समाधान के लिए सभी हितधारकों द्वारा समन्वित प्रयासों की आवश्यकता होगी। उदाहरण के तौर पर साक्ष्य और गवाहों से संबंधित मुद्दों का समाधान खोजने के लिए (शेष पृष्ठ 6 पर...)

आज बंगाल विधानसभा का विशेष सत्रः ममता सरकार पेश करेगी रेप विरोधी कानून; भाजपा भी समर्थन में उतरी

कोलकाता। आरजी कर अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-हत्या मामले को लेकर ममता सरकार बुरी तरह से घिरी हुई है। ममता सरकार के खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इसी बीच 2 सितंबर को राज्य सरकार ने बंगाल विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाया है।

पेश होगा रेप विरोधी विधेयक

बंगाल विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान एक विधेयक पेश किया जाएगा। जिसमें दुष्कर्म के दोषियों को 10 दिन के अंदर फांसी की सजा सुनिश्चित करने का प्रस्ताव है। सूत्रों के मुताबिक, प्रस्तावित विधेयक मंगलवार को पेश किए जाने की पूरी संभावना है। मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा ने भी विधानसभा में ममता के इस कदम का समर्थन करने का ऐलान किया है।

बीजेपी ने कहा है कि भाजपा विधायक बलात्कार के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार के विधेयक का समर्थन करेंगे। भाजपा के राज्य प्रमुख सुकांत मजूमदार ने रविवार को कहा, हमने फैसला किया है कि भाजपा विधायक राज्य विधानसभा में ममता बनर्जी के विधेयक का समर्थन करेंगे। मजूमदार ने कहा कि वे ममता के इस्तीफे की मांग को लेकर विधानसभा के अंदर विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे।

ममता ने किया था ऐलान

बता दें कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने कुछ दिन पहले ही अपनी पार्टी की छात्र इकाई का स्थापना दिवस कोलकाता की रेप और मर्डर पीड़िता को समर्पित किया। स्थापना दिवस पर अपने संबोधन में सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार एंटी-रेप लॉ बनाएगी, जिससे ऐसे मामलों के आरोपियों को मौत की सजा मिले।

बीजेपी मांग रही है इस्तीफा

कोलकाता कांड को लेकर भाजपा ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग कर रही है। इसके जवाब में टीएमसी प्रमुख ने कहा कि क्या उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और मणिपुर के (शेष पृष्ठ 6 पर...)

महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं के खातों में किया जाएगा एक-एक हजार रु. का अंतरण

मुख्यमंत्री निवास में आज तीजा-पोला का भव्य आयोजन

रायपुर (दावा)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निवास में कल सोमवार को छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपरा के प्रतीक तीजा-पोरा तिहार के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं के खातों में डीबीटी के माध्यम से एक-एक हजार रूपए अंतरित करेंगे। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे। अध्यक्षता छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे। केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्रीद्वय अरूण साव, विजय शर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े अति विशिष्ट अतिथि होंगे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित विधायक राजेश मूणत, पुरन्दर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनूज शर्मा, इन्द्रकुमार साहू और गुरू खुशवंत साहेब शामिल होंगे।

बनी सहमति : निगम, मंडल, आयोग की पहली सूची में होंगे एक दर्जन नाम : वायरल सूची सही नहीं

रायपुर। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद अब निगम, मंडलों और आयोगों में नियुक्तियों को लेकर कवायद चल रही है। नगरीय निकाय चुनाव की आचार संहिता लगने से पहले पहली सूची जारी करने की तैयारी है। इस सूची में करीब एक दर्जन नाम होंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दिल्ली के दौरों में राष्ट्रीय नेताओं के साथ पहली सूची पर सहमति बन चुकी है। सभी को सूची का इंतजार है। सूची कभी भी जारी हो सकती है। इधर मप्र में भी निगम, मंडलों और आयोग में नियुक्तियों को लेकर तैयारी चल रही है। मप्र के भाजपा अध्यक्ष बीडी शर्मा एक सूची लेकर दिल्ली गए हैं। संभावना है कि मप्र और छत्तीसगढ़ की सूची आगे-पीछे या फिर एक साथ जारी हो सकती है।

प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद अब तक निगम, मंडल और आयोगों में नियुक्तियां नहीं हो सकी हैं। सरकार बनने के बाद लोकसभा का चुनाव आ गया, इसको लेकर आचार संहिता लग गई। ऐसे में सभी लोकसभा के चुनाव में व्यस्त हो गए। अब लोकसभा का चुनाव निपट चुका है। इसी के साथ प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल को लेकर भी जो कवायद चल रही थी, उस पर फिलहाल विराम लग गया है। मंत्रिमंडल के विस्तार के लिए अभी लंबा इंतजार करना पड़ेगा ऐसा कहा जा रहा है। इस बीच अब यह बात सामने आ रही है कि दर्जनभर निगम, मंडलों में नियुक्ति की तैयारी हो गई है।

सूची का इंतजार

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और दोनों डिप्टी सीएम अरुण साव और विजय शर्मा का दो दिनों का दिल्ली दौरा हुआ है। इस दौरे में मुख्यमंत्री श्री साय और दोनों डिप्टी सीएम की केंद्रीय मंत्री अमित शाह के साथ ही अन्य मंत्रियों से तो मुलाकात हुई है, साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात हुई है। इस मुलाकात में कुछ निगम, मंडलों में नियुक्तियों को लेकर सहमति बनने की बात सामने आ रही है। जब श्री साय और दोनों डिप्टी सीएम दिल्ली से लौटे थे तभी कहा जा रहा था कि सूची जल्द आ जाएगी, लेकिन इसके बाद फिर से सूची अटक गई। कुछ समय पहले तीन दर्जन प्रस्तावित नामों की एक सूची भी वायरल हो चुकी है। हालांकि इस सूची को लेकर भाजपा के पदाधिकारियों ने साफ कहा है कि यह सूची सही नहीं है। लेकिन जानकारों का कहना है कि इसी तरह की प्रस्तावित सूची राष्ट्रीय नेताओं के सामने रखी गई थी जिसमें से एक दर्जन नामों पर सहमति बन चुकी है। अब यह पहली सूची कब जारी होगी, इसका इंतजार सबको है। जानकारों का कहना है, पहली सूची में ज्यादातर नाम संवैधानिक पदों के होंगे, इसी के साथ कुछ अहम निगम और मंडलों में नियुक्ति होगी।

कांग्रेसियों द्वारा लॉ एंड ऑर्डर पर उठाए सवाल पर भड़के सीएम साय, बोले - थानों में रेट लिस्ट लगा दें

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में लॉ एंड ऑर्डर दुरुस्त है। जब कांग्रेस की सरकार थी तो उनकी ही पार्टी के एमएलए ने कहा था कि थानों में बिना पैसे कोई काम नहीं होता। ऐसे में प्रदेश के सभी थानों में रेट लिस्ट लगा दे। ये बातें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कही।

वे शनिवार को अटल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में बिलासपुर दौरे पर थे। मीडिया से चर्चा में सीएम ने पूर्व विधायक शैलेश पांडेय का नाम लेते हुए कहा कि उन्होंने पब्लिक कार्यक्रम में गृहमंत्री की उपस्थिति में उन्होंने हर थाने में रेट लिस्ट लगा देने की बात कही थी। कांग्रेस के लिए इससे बड़ी शर्म की बात और क्या हो सकती है। अब लॉ एंड आर्डर कंट्रोल में है। बस्तर में हम नक्सली मूवमेंट और सुधार पर काम कर रहे हैं।

मंत्री, कलेक्टर दौरा कर रहे, प्रदेश में बीमारी कंट्रोल में

प्रदेश में डेंगू, मलेरिया, स्वाईन लू के बढ़ते मरीज के संबंध में मुयमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश में बीमारी कंट्रोल में है। हमारे स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल (शेष पृष्ठ 6 पर...)

जीएसटी से भरा सरकार का खजाना- अगस्त में 10 प्रतिशत का उछाल; 1.75 लाख करोड़ रुपये हुआ संग्रह

नई दिल्ली। अगस्त में कुल जीएसटी संग्रह 10 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.75 लाख करोड़ रुपये हो गया। रविवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। पिछले साल अगस्त में जीएसटी राजस्व 1.59 लाख करोड़ रुपये था, जबकि इस साल जुलाई में यह 1.82 लाख करोड़ रुपये था। अगस्त 2024 में घरेलू राजस्व 9.2 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये हो गया। वस्तुओं के आयात से सकल जीएसटी राजस्व 12.1 प्रतिशत बढ़कर 49,976 करोड़ रुपये रहा।

24,460 करोड़ के रिफंड जारी

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त 2024 में घरेलू राजस्व 9.2 फीसदी बढ़कर लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं वस्तुओं के आयात से जीएसटी रेवेन्यू 12.1 फीसदी बढ़कर 49,976 करोड़ रुपये हो गया। इस महीने के दौरान 24,460 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 38 फीसदी ज्यादा हैं। रिफंड को एडजस्ट करने के बाद अगस्त में नेट जीएसटी रेवेन्यू में 6.5 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 1.5 लाख करोड़ रुपये रहा है।

सरकार की ओर से जारी जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े के अनुसार, अगस्त के 1,74,962 करोड़ रुपये के जीएसटी कलेक्शन में सीजीएसटी 39,586 करोड़ रुपये और एसजीएसटी 33,548 करोड़ रुपये शामिल है। इससे पिछले साल की समान अवधि में यानी अगस्त 2023 में जीएसटी कलेक्शन 1.59 लाख करोड़ रुपये था। जुलाई में जीएसटी कलेक्शन 1.82 लाख करोड़ रुपये रहा था।

कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना, कहा- 9 माह के भाजपा राज में महिलायें असुरक्षित, भिलाई में 4 साल की बच्ची के साथ दुराचार, हर दिन गैंगरेप- पुलिस कर रही लीपापोती

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कांग्रेस ने राजीव भवन में पत्रकार वार्ता आयोजित की। इस पत्रकार वार्ता में भिलाई में कथित रूप से 4 साल की बच्ची के साथ दुराचार की घटना, प्रदेश में गैंगरेप की घटनाओं का उल्लेख कर प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि 9 माह के भाजपा सरकार के राज में छत्तीसगढ़ में महिलायें असुरक्षित हो गयी है। इससे बड़ा दुर्भाग्यजनक क्या हो सकता है राजधानी में महिलायें सुरक्षित नहीं है।

रायपुर नया बस स्टैण्ड में एक महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म होता है। दूसरे दिन रिपोर्ट लिखा गया उसमें भी सामूहिक दुष्कर्म को नकार दिया गया। बलात्कार का रिपोर्ट लिखा गया, यहां भी पुलिस अपराधियों को सजा देने के बजाय उन्हें बचाने में लगी है। उन्होंने कहा कि, रोज-रोज प्रदेश में कहीं न कहीं सामूहिक बलात्कार की घटना हो रही है। महिलायें खुले में बाहर निकलने में भयभीत हो रही है। बस्तर, जशपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर से लेकर राजधानी रायपुर में भी महिलायें खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। बेहद दुर्भाग्यजनक है कि सरकार जिसे इन मामलों को गंभीरता से लेकर कार्यवाही करवाना चाहिये, वह बलात्कार जैसी घटनाओं को भी छुपाने और अपराधियों को बचाने का काम कर रही है। अभी तक 8 माह में प्रदेश में महिलाओं के प्रति 3094 अपराध हुये है तथा 600 से अधिक बलात्कार की घटना हुई है।

उन्होंने कहा कि, भिलाई के डीपीएस स्कूल में 4 साल की मासूम बच्ची के साथ दुराचार की घटना हो गयी। बिना एफआईआर के एसपी ने घटना को नकार दिया, जबकि पास्को एक्ट में प्रावधान है कि ऐसी कोई घटना होने पर पहले एफआईआर होना चाहिये उसके बाद जांच होनी चाहिये। भिलाई के बच्ची के साथ दुराचार के मामले में दो-दो डॉक्टरों ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बच्ची के निजी अंगों में चोट है कुछ गलत हुआ है। उसके बाद एसपी मामले को नकारते है। हम पूछना चाहते है पुलिस ने एफआईआर कब किया? मेडिकल बोर्ड का गठन कब हुआ? बच्ची का स्वास्थ्य परीक्षण कब कराया गया? घटना सरकार के संज्ञान में था। सरकार ने क्या कार्यवाही किया? पास्को एक्ट में एफआईआर बिना किये क्लीनचीट दिये जाने के कारण एसपी पर कार्यवाही क्यों नहीं किया गया?

उन्होंने कहा कि, रायगढ़ के पुसौर में एक आदिवासी महिला के साथ 14 लोगों ने दुराचार किया, (शेष पृष्ठ 6 पर...)

वंदे भारत स्लीपर की शीघ्र मिलेगी सौगात, 160 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ेगी ट्रेन, रेल मंत्री वैष्णव का ऐलान

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित बीईएमएल में वंदे स्लीपर कोच का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि अब से तीन महीने में यात्री नए वंदे स्लीपर कोच में सफर कर पाएंगे। यह कंप्लीट स्लीपर वेरिएंट है। वंदे स्लीपर कोच का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और आने वाले कुछ दिनों में यह बीईएमएल फैक्ट्री से निकलेगा।

जल्द फैक्ट्री से बाहर आएगा वंदे स्लीपर - रेल मंत्री

वैष्णव ने कहा- आज हम एक बहुत ही अहम पड़ाव पर पहुंच चुके हैं, जैसा कि आप जानते हैं कि वंदेभारत चेयर-कार की सफलता के बाद, वंदे स्लीपर का निर्माण और डिजाइनिंग कुछ ऐसा था जिसका हम सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब इसका निर्माण पूरा हो गया है। वंदे स्लीपर आने वाले दिनों में बीईएमएल फैक्ट्री से बाहर आएगा।

नई ट्रेनें देशवासियों की यात्रा का अनुभव बदलेंगी

रेल मंत्री ने वैष्णव ने बताया कि यह एक लंबी यात्रा थी। एक नई ट्रेन को डिजाइन करना बेहद जटिल होता है। वंदे स्लीपर में यात्रियों के लिए कई एडवांस सुविधाएं शामिल की गई हैं। वंदे भारत चेयर-कार, वंदे स्लीपर, वंदे मेट्रो और अमृत भारत देशवासियों की यात्रा का अनुभव बदल देंगे। ये सभी परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महत्वाकांक्षी भारत को दर्शाती हैं।÷

स्टैंडर्ड एंड ब्रॉड गेज रोलिंग स्टॉक निर्माण की शुरुआत

इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बीईएमएल में स्टैंडर्ड एंड ब्रॉड गेज रोलिंग स्टॉक निर्माण के लिए एक नए हैंगर की नींव रखी। बीईएमएल में कार्यक्रम के बाद वैष्णव ने मल्टी-डिसिप्लिनरी डिविजनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमडीडीटीआई), बेंगलुरु (रेलवे ट्रेनिंग सेंटर) में ट्रेनी और कर्मचारियों के साथ चर्चा की।

ASHOKA GROUP OF INSTITUTIONS RAJNANDGAON
अशोका आई.टी.आई.
NCVT-DGET नई दिल्ली एवं छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
प्रवेश प्रारंभ
कोपा (Computer) 10 वीं पास 1 वर्षीय कोर्स
स्टेनो 10 वीं पास 1 वर्षीय कोर्स
इलेक्ट्रीशियन 10 वीं पास 2 वर्षीय कोर्स
वॉयरमैन 8 वीं पास 2 वर्षीय कोर्स
अशोका डिग्री कॉलेज
B.A. | B.COM | PGDCA
8319493983, 7000629783, 8602502398
ग्राम- तोरनकट्टा, मनकी पेट्रोल पंप के पास, जी.ई. रोड, पोस्ट- सोमनी, राजनांदगांव (छ.ग.)
ऑफिस: 99813-60623 | ashokaiti2019@gmail.com

तीज महोत्सव में महिला शक्ति को जागृत करने पहुंची वीणा रमन सिंह

आयोजन में सांसद संतोष पांडे की धर्मपत्नी रेखा पांडे के नृत्य ने किया मंत्र मुग्ध

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा के तीज महोत्सव के आयोजन में महिला शक्ति को जागृत करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह की धर्मपत्नी वीणा सिंह पहुंची. जहां उन्होंने राजपूत समाज की महिलाओं को संबोधित करते हुए समाज के हर क्षेत्र में आगे आकर काम करने का आव्हान किया. उन्होंने कहा कि राजपूत समाज की महिलाओं में एक विशेष शक्ति है, जिससे वह समाज के कल्याण में लगाकर छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे.

छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा के चंद्रा कॉलोनी स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय लोटन सिंह की स्मृति में निर्मित राजपूत भवन में भव्य हरितालिका तीज महोत्सव का आयोजन किया गया. जहां पर राजपूत समाज की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह की धर्मपत्नी वीणा सिंह शामिल हुई. वहीं नगर निगम की महापौर हेमा देशमुख ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की. विशेष अतिथि के रूप में सांसद संतोष पांडे की धर्मपत्नी रेखा पांडे, छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा की पूर्व अध्यक्ष (महिला) डॉक्टर मधु भदोरिया, अखिल भारतीय

छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा की महिलाओं ने धूमधाम से मनाया तीज महोत्सव

क्षत्रिय महिला महासभा वीरांगना की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतू सिंह और पूर्व सांसद मधुसूदन यादव की धर्मपत्नी करुणा यादव मौजूद रही।

बड़ी संख्या में शामिल हुई महिलाएं

तीज महोत्सव के इस आयोजन में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग इलाकों से राजपूत समाज की महिलाएं शामिल हुई. रायपुर से कंचन चौहान , भिलाई से किरण सिंह, दुर्गेश सिंह, ललिता सिंह एवं टीम सिंधु चंदेल और उनकी टीम, रॉयल राजपूत संगठन, स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. अमृता भदोरिया, छाया ठाकुर, माधुरी ठाकुर, ओ कान्हा महिला मंडल की अध्यक्ष अर्चना दास एवं टीम आदि अन्य सामाजिक संगठनों से भी समाज अतिथिगण उपस्थित रहे.

कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज की अध्यक्ष श्रीमती सुषमा सिंह, अर्चना सिंह परिहार, कनकलता सिंह, अनामिका गौतम, सुधा पवार, रेखा सिंह, रीना सिंह संजू सिंह, नीमा राजावत, आभा चौहान, स्वाति चौहान, प्रभा राजपूत, ममता राठौर, डिम्पल भदौरिया, रश्मि भारद्वाज, निशा सेंगर, निशा सिंह,रेणु सिंह, निर्मला कलचुरी, पुष्पा ठाकुर, नेहा सिंह, श्रीतिका कुशवाहा, संचिता कुशवाहा,पुष्पलता सिंह, सूर्यबाला सिंह, सोम्या राठौर, नेहा, रितिका, प्रिया सिंह, कुसुम सिंह, प्रियंका सिंह, रितु सिंह आदि कार्यकारिणी सदस्यों की अहम भूमिका रही है. कार्यक्रम के अंत में श्री राष्ट्रीय करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय बहादुर सिंह ने आभार प्रदर्शन किया.

तीज के झूले का लिया आनंद

छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा महिला विंग और अखिल भारतीय छतरी महासभा वीरांगना तथा पद्मावत महिला कल्याण समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित तीज मिलन समारोह में राजपूत समाज की महिलाओं ने नृत्य, विभिन्न खेल और तीज के झूले का आयोजन भी किया. जिसमें समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है. आयोजन में सांसद संतोष पांड़े की धर्मपत्नी रेखा पांडे ने अपने मनमोहन नृत्य की प्रस्तुति से सबका मनमोह लिया।

संभाग स्तरीय शालेय नेटबाल प्रतियोगिता के खिलाड़ियों का अभिषेक सिंह ने हौसला बढ़ाया

राजनंदगांव (दावा)। पूर्व सांसद अभिषेक सिंह आज अपने दो दिवसीय प्रवास पर राजनांदगांव पहुंचे। इस दौरान वे विभिन्न कार्यक्रमों मैं पहुंचे। राजनांदगांव में आयोजित संभाग स्तरीय शालेय अंडर-19 नेट बाल प्रतियोगिता में अभिषेक सिंह पहुंचे और अंडर-19 के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया तथा उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं भी दी।

मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अभिषेक सिंह ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीत हार खेल एवं जीवन दोनों का अभिन्न अंग है अच्छा समय और बुरा समय हर व्यक्ति के जीवन में आता है, अच्छा खिलाड़ी वह होता है जो खेल की भावना को समझता है, जो खिलाड़ी खेल के मर्म को और नियम को जानता है वह प्रतिस्पर्धा में भी आनंद लेता है और हार से भी सीखता है तभी उसका खेल निखरता है।

अध्यक्ष विनीता मदान एवं कोच शिल्पा कुशवाहा एवं रजत खुटेल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बालोद दुर्ग कवर्धा एवं राजनांदगांव, बेमेतरा जिले के खिलाड़ी शामिल हुए थे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष तरुण लहरवानी, अतुल रायजादा, ऋषिदेव चौधरी, गोलू गुप्ता, सुमित भाटिया, प्रखर श्रीवास्तव उपस्थित थे।

पहला कॉलम...

आदर्श ग्राम सुरगी में कृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मना

राजनांदगांव (दावा)। आदर्श ग्राम सुरगी में 27 अगस्त को यादव समाज एवं ग्रामीणों के संयुक्त तत्वावधान में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर सभी यादव बंधुओं द्वारा संस्कृति परंपरा में अपने राऊत नाचा के साज सज्जा में नृत्य करते हुए गली भ्रमण किया एवं दही लूट का आयोजन किया गया। उक्त जानकारी यादव समाज के पंचगइहा अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने दी।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जिला कोसरिया यादव समाज के कार्यक्रम के हफीज व अभिमन्यु का किया सम्मान

राजनांदगांव (दावा)। जिला कोसरिया यादव समाज द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की कड़ी में नगर गांधी सभागृह में सांस्कृतिक व सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल हुए।

अध्यक्ष मन्ना यादव के नेतृत्व में आयोजित उक्त कार्यक्रम में राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष हफीज खान व कांग्रेस प्रवक्ता अभिमन्यु मिश्रा भी बतौर अतिथि शामिल हुए जिसमे समाज के पदाधिकारियों युवा अध्यक्ष हरीश यादव, भोला यादव आदि द्वारा गमछा पहना कर व मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। श्री खान व श्री मिश्रा ने जिला कोसरिया यादव समाज का कोटि कोटि आभार व्यक्त करते हुए सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं।

चिरोंजी काका का निधन

डोंगरगढ़ (दावा)। अग्रवाल समाज के वरिष्ट समाज सेवी व अग्र पुरुष चिरोंजी काका का अस्वस्थता के चलते स्वर्गवास हो गया है। उन्होंने 90 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। उनकी अंतिम यात्रा रविवार की सुबह 10 बजे निज निवास अग्रसेन चौक महावीर पारा से छीरपानी मुक्तिधाम के लिए निकाली गई। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में सामाजिकगण व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

योगासन खिलाड़ी के साथ क्रीड़ा भारती ने मनाया खेल दिवस, 21 जिले के 300 खिलाड़ी हुए शामिल

रायपुर (दावा)। 29 अगस्त मेजर ध्यानचंद स्मृति राष्ट्रीय खेल दिवस पर क्रीड़ा भारती रायपुर महानगर के द्वारा खेल सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। खेल एवं खिलाड़ियों के लिए समर्पित संस्था क्रीड़ा भारती के द्वारा हर वर्ष 29 अगस्त मेजर ध्यानचंद स्मृति राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पूरे भारत देश में खेल सप्ताह का आयोजन किया जाता है, जिसके तहत क्रीड़ा भारती रायपुर महानगर के द्वारा 29 अगस्त से खेल सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन श्री बालाजी विद्या मंदिर, देवेंद्र नगर, रायपुर में 1 सितंबर 2024 को किया गया।

यह प्रतियोगिता चार आयु वर्ग 14 वर्ष से कम, 14+ से 18 वर्ष, 18+ से 28 वर्ष और 28+ वर्ष से अधिक में बालक एवं बालिकाओं के लिए अलग-अलग आयोजित की जा रही है। जिसमें हर खिलाड़ी को 5 आसनों का प्रदर्शन करना है। छत्तीसगढ़ के 21 जिलों से 300 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में शामिल हुए। प्रतियोगिता के प्रारंभ सत्र में सर्वप्रथम श्री हनुमान भगवान एवं स्व. मेजर ध्यानचंद जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया गया। उक्त आयोजन में स्वामी जी (अध्यक्ष, आंध्र एसोसिएशन और समाज सेवी), उमेश ठाकुर (व्या.शि., श्री बालाजी विद्या मंदिर) और नुरेन्द्र कुम्हार (प्रांत युवा प्रमुख, क्रीड़ा भारती छत्तीसगढ़) अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही मोहित साहू (क्रीड़ा भारती रायपुर महानगर) ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। रुस्तम सारंग (अध्यक्ष, क्रीड़ा भारती रायपुर महानगर) और वीरेंद्र देशमुख (मंत्री, क्रीड़ा भारती रायपुर महानगर) के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम ने सफल स्वरूप लिया।

समापन सत्र में पधारे अतिथियों एवं रेफरी टीम व क्रीड़ा भारती के कार्यकर्ताओं के द्वारा आयोजित इवेंट के चारों आयु वर्ग में (बालक-बालिका) विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। ऑफिसियल टीम में सूरज यादव, गोविंद शर्मा, मनीष रावत, गौतम साहू, अनीश कुमार चौहान, राहुल शर्मा, अनीता साहू, हर्षलता, पायल चंद्राकर, प्रिया वर्मा, प्रभाकर सिंह, कोमल सिंह, माही वर्मा, नेहा साहू उपस्थित रहे। इस गरिमामय कार्यक्रम हेतु संजय सिंह (अध्यक्ष, क्रीड़ा भारती छत्तीसगढ़), सुमीत उपाध्याय (प्रांत मंत्री, क्रीड़ा भारती छत्तीसगढ़) एवं नीता डुमरे, हर्षा साहू एवं अन्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी।

आज बाल समाज गंज लाइन में आज बैल दौड़ प्रतियोगिता

राजनंदगांव (दावा)। बाल समाज गंज लाइन द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 2 सितंबर 2024 को बैल दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस बैल दौड़ प्रतियोगिता में बैल को सजाकर, बैल जोड़ी एवं सिंगल बैल दौड़ का आयोजन किया गया है। दौड़ शाम 6 बजे लखोली नाका चौक से शुरू होकर तिरंगा चौक में समाप्त होगी।

उल्लेखनीय है कि बैल दौड़ आयोजन से पूर्व गंज लाइन में मेले का भी आयोजन किया जाता है जिसमे विभिन्न तरह के झूलों वा खिलौनो की दुकाने लगाई जाती है। बैल दौड़ को देखने के लिए आस पास के क्षेत्रो से बड़ी संख्या में परिवार के साथ लोग पहुंचते है। बैल दौड़ प्रतियोगिता के प्रभारी कैलाश राठी, सूर्यकांत जैन, गोपाल खंडेलवाल, गोपाल शर्मा, पराग हुंका, मोहन मेश्राम एवं नीरज माहेश्वरी बनाए गए हैं। बाल समाज के अध्यक्ष दामू भूतड़ा ने बताया है कि जो प्रतियोगी इस बैल दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेंगे उन सभी को सांत्वना पुरस्कार दिया जाएगा एवं बैल दौड़ में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष आकर्षण पुरस्कार बाल समाज गंज लाइन द्वारा प्रदान किया जाएगा।

शहर कांग्रेस ने किया पूर्व सीएम बघेल का जोशिला स्वागत

राजनांदगांव(दावा)। किसान पुत्र व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का 1 सितंबर को राजनांदगांव शहर आगमन पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा स्थानीय नंदई चौक में फुलमालाओं के साथ जोशिला स्वागत किया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रविवार को शहर में स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होने पहुंचे नंदई चौक कोठार पारा में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा व कांग्रेसजनों द्वारा फूल माला के साथ जोशिला स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से गिरीश देवांगन, डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल, संभागीय प्रवक्ता कमलजीत सिंह पिन्टू, महापौर हेमा देशमुख, पीसीसी सचिव मेहुल मारू, राजगामी संपदा के अध्यक्ष विवेक वासनिक, वरिष्ठ कांग्रेसी कुतबुद्दीन सोलंकी, रमेश डाकलिया, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष श्रीमती शारदा तिवारी, विकास त्रिपाठी, महामंत्री हनी ग्रेवाल, रौशनी सिन्हा, अशोक फडनवीस, विरेन्द्र चौहान, युकां अध्यक्ष गुरभेज माखीजा, दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यकांत जैन, मनीष गौतम, महिला कांग्रेस अध्यक्ष माया शर्मा, पार्षद मनीष साहू, शकील रिजवी, तामेश्वर बंजारे, प्रतिमा बंजारे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

संतोष साहू ने गरीबों के हित में डॉ. रमन सिंह से की स्थाई पट्टे की मांग

राजनांदगांव (दावा)। लखोली वार्ड क्रमांक 33 बैगा पारा अपने वार्ड के रह वासियों के सुख-दुख के साथी लखोली बूथ क्रमांक 60 के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता संतोष साहू ने वार्ड के गरीबों के हित में उनके मकान का स्थाई पट्टा देने की मांग को लेकर 31 अगस्त को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को विधानसभा कार्यालय राजनंदगांव में ज्ञापन सौपा।

श्री साहू की इस मांग का समर्थन उपस्थित स्थानीय भाजपा नेताओं ने करते हुए उन्होंने भी डॉ. रमन सिंह से निवेदन किया कि गरीबों के हित में इस मांग को शासन से अवश्य पूरा करवाये। उन्होंने बताया कि लखोली वार्ड क्रमांक 33 में विगत 30 से 35 वर्षों से लोग निवास कर रहे हैं। साथ ही शहर में बड़ी संख्या में ऐसे गरीब है। जिन्हें 1997 - 98 में राजीव आश्रय योजना के तहत सिर्फ 1 साल का पट्टा मिला था। उसके बाद यह स्थाई पट्टे के लिए दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं। उनकी इस बात को गंभीरता से सुनते हुए डॉ. रमन सिंह ने इस बात को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष रखकर इस पर गहन चर्चा करने का आश्वासन दिया है। उनके आश्वासन से उपस्थित सभी भाजपा नेता और कार्यकर्ता गदगद हो गए। इस अवसर पर भाजपा नेता संतोष साहू के साथ दक्षिण मंडल अध्यक्ष तरुण लहरवानी, दक्षिण मंडल मंत्री हकीम खान, दक्षिण मंडल मंत्री प्रकाश मारकंडे, पिछड़ा मोर्चा के अध्यक्ष अमरूद साहू, महिला मोर्चा के अध्यक्ष मिथलेश्वरी वैष्णव, बूथ अध्यक्ष शत्रुघ्न साहू, बीएलओ 2 हीरा साहू, सचिव राकेश विश्वकर्मा सहित वार्ड के लोग उपस्थित थे।

dts श्री कृष्णा (एयरकुल) में
रोजाना 4 खेलों में
समय : 12,3, 6 व 9 बजे रात्रि
बाल्कनी की एडवांस बुकिंग प्रारंभ है।
पारिवारिक मनोरंजन से भरपूर
संघर्ष एक जंग
छत्तीसगढ़ी भाषा में
कलाकार - अर्थ चन्द्रा, नेहा पाणिग्रही, अजय पटेल, संतोष सम्राट तिवारी आदि

आगामी ता. 6 से
तही मोर आशिकी
ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

युगांतर में जन्माष्टमी पर्व का शानदार आयोजन

राजनांदगाँव (दावा)। भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी युगांतर पब्लिक स्कूल में प्री-प्राइमरी कक्षा के नन्हें विद्यार्थियों ने जन्माष्टमी फैंसी ड्रेस में भाग लेकर मनाई।

स दौरान प्राचार्य डॉ. मधु पी. चौधरी, निदेशक नरेंद्र कोटड़िया, पीआरओ स्पोर्ट्स ऑफिसर दिनेश प्रताप सिंह बड़ी तादाद में पालकगण उपस्थित रहे। प्री प्राइमरी के बच्चों ने राधा-कृष्ण का रूप लेकर वृन्दावन की प्रभावी झाँकी प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। बच्चों को सजाने संवारने में पालकों की भूमिका काफी सराहनीय रही। इस प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य के मार्गदर्शन में प्री प्राइमरी की सेक्शन इंचार्ज ओजस्वी यादव के नेतृत्व में प्री प्राइमरी कक्षा शिक्षिकाओं के सहयोग से सफलतापूर्वक किया गया। विद्यालय के चेयरमैन विनोद सदानी, सेक्रेटरी विनय डड्डा, कोषाध्यक्ष मिश्रीलाल गोलछा, निदेशक (अकेडमिक्स) सुशील कोठारी सहित युगांतर परिवार ने आयोजन की सफलता पर हर्ष प्रकट किया है। मंच को सजाने में कला विभाग के शिक्षक अजय चौरसिया तथा ज्ञानेश पटेल ने सराहनीय भूमिका निभाई।

नगर में 40 वर्षीय युवक ने लगाई फांसी

डोंगरगांव (दावा)। नगर के वार्ड 15 में निवासरत श्रीवास परिवार के एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी ईह लीला समाप्त कर ली है. मिली जानकारी के अनुसार राजनांदगांव मार्ग पर न्यू योगेश दोसा के समीप वार्ड 15 निवासी रविकांत श्रीवास पिता पुनीतराम श्रीवास उम्र 40 वर्ष ने अपने कमरे में साड़ी के सहारे फांसी लगा ली है.

कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे रविकांत की मां प्रतिदिन की तरह रात्रि में सोने से पहले एक बार अपने पुत्र को उसके कमरे में देखने गई जहां उसे फांसी में लटका पाया, जिसके बाद अन्य परिजनों को इसकी जानकारी दी गई. घटना शनिवार रात्रि लगभग साढ़े ग्यारह बजे की बताई जा रही है. मामले की सूचना डोंगरगांव पुलिस को दी गई जिसने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद शव को उनके परिजनों को सौप दिया है. जिसके बाद सामाजिक बंधुओं और नगरवासियों की उपस्थिति में अंतिम संस्कार किया गया.

भव्य समारोह में कायस्थ समाज भवन का लोकार्पण, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की समाज की सराहना

राजनांदगांव (दावा)। आज शहर में कायस्थ समाज भवन का भव्य उद्घाटन समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समाज भवन का उद्घाटन करते हुए कायस्थ समाज की एकजुटता और योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा-कायस्थ समाज ने सदैव समाज और राष्ट्र के विकास में अग्रणी भूमिका निभाई है। यह भवन समाज के लोगों को एकजुट रखने और उनकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

समारोह में समाज के अध्यक्ष देवेंद्र मोहन लाल, सचिव नागेश श्रीवास्तव सभी पदाधिकारी ओर महापौर हेमा देशमुख, शहर अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा, कांग्रेस नेता गिरीश देवांगन, नवाज खान, निखिल द्विवेदी सहित समाज के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और इसे भव्य रूप दिया।

इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने भवन निर्माण में योगदान देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया और समाज के उत्थान के लिए मिल-जुलकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और समाज के स्व.प्रकाश श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

डॉ. रमन सिंह ने भूपेश बघेल को दिया करारा जवाब

यादव समाज के कार्यक्रम में डॉ. सिंह का राउत खुमरी ओढ़ाकर व रिंगी-चिंगी लाठी देकर किया गया सम्मान

लगे जय यादव, जय माधव के नारे

राजनांदगांव (दावा)। श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर सर्व यादव समाज द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय आयोजन के चलते रविवार को आडिटोरियम में हुए भव्य आयोजन में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का भव्य सम्मान किया गया। इस दौरान जय यादव, जय माधव के गगन भेदी नारों के बीच अपने प्रिय विधायक डॉ. रमन सिंह का यादवों द्वारा राउत खुमरी ओढ़ाकर सम्मान किया गया वही राउत नांचा में उपयोग आने वाले फूलदार रिंगी-चिंगी लाठी देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिले के सांसद संतोष पांडे व पूर्व सांसद तथा प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष मधुसूदन यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। उपरोक्त अतिथियों के स्वागत सम्मान के दौरान जय यादव जय माधव के नारे लगे व राउत दोहा पार कर माहौल को यादवी मय बनाया गया।

भूपेश को करारा जवाब

सर्व यादव समाज के कार्यक्रम के दौरान डॉ. सिंह के मीडिया से चर्चा के दौरान पत्रकारों द्वारा भूपेश बघेल के भाजपा पर गांजा-शराब में बंटवारा को लेकर झगड़े वाली बात कहे जाने पर श्री बघेल को करारा जवाब देते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि अभी जेल में कौन बंद है भाई- और डेढ़-डेढ़ साल से जेल में कौन है? इनके खिलाफ पुलिस लगी है.. इनके खिलाफ ईडी लगी हुई है।

इनका कोयला और शराब घोटाले में नाम है। उस लिस्ट को भूपेश जी सार्वजनिक कर तो दे तभी वह बीजेपी की बात करें। डॉ. सिंह ने कहा कि उनका मामला सामने आ रहा है...एक-एक परते खुलते जा रही है। उन्होंने कहा कि देखना तीन महिने में और कितने नाम सामने आएंगे? डॉ. सिंह ने भूपेश पर तंज कसते हुए कहा कि एक उंगली किसी की ओर करोगे तो चार उंगली अभी उनके तरफ है।

डॉ. सिंह ने कहा कि सर्व यादव समाज द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित किए गए तीन दिवसीय आयोजन जिसमे भव्य शोभायात्रा, पालकी यात्रा, बाईक रैली आदि के द्वारा समाज की एकजुटता दिखी है। कृष्ण के वंशज इस समाज में शिक्षा का विकास और जागृति आई है। यह समाज छत्तीसगढ़ में एक शक्ति व ताकत के रूप में है। डॉ सिंह ने आडिटोरियम में आयोजित उक्त भव्य सम्मेलन व श्री कृष्ण जन्माष्टमी के तीन दिवसीय आयोजन लिए समाज को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वहीं इस भव्य आयोजन के लिए विशेष रूप पूर्व सांसद व प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष मधुसूदन यादव को बधाई दी है। इस दौरान यादव समाज में खासा उल्लास बिखरा रहा।

आज पोला त्यौहार में बैल दौड़ स्पर्धा की रहेगी धूम

पर्व को लेकर बाजार में उमड़ी भीड़, खूब बिक रहे पोला-जाता व मिट्टी-लकड़ी से बने बैल

राजनांदगांव (दावा)। भाद्र पद की अमावस्या तिथि को को आज शहर सहित पूरे अंचल भर में पोला का त्यौहार धूमधाम के साथ मनाया जाएगा।

आज भगवान शंकर के वाहन नंदी बैल की पूजा की जाएगी ,वही बच्चों द्वारा मिट्टी से बने खिलौने पोरा-जाता का सगापताना खेल खेला जाएगा इससे बच्चों के बीच पर्व से संबंधित खुशियां बिखरी रहेगी। आज शहर सहित अंचल भर पर्व की रहने वाली धूम के चलते जहां-तहां बैल दौड़ स्पर्धा भी देखने को मिलेगी। वही नवयुवकों में नारियल फेंक स्पर्धा में उनमें होड़ देखने को मिलेगा। चूंकि आज पोला पर्व के दिन भगवान शंकर के वाहन नंदी जी की पूजा के विधान है ,अतः बाजार में मिट्टी से बने नांदिया बैला व लकड़ी से बने बैलों की खासी मांग रही, साथ ही बच्चों के खेलने के लिए दिए जाने वाले पोरा जाता की भी जमकर बिक्री हुई। पूरा बाजार मिट्टी के बने नांदिया बैल व पोरा- जांता से पटा रहा।

शहर के जयस्तंभ चौक महावीर चौक रोड कुम्हार पसरा सहित जूनी हटरी, गोल बाजार क्षेत्र, हॉट बाजार, गंज चौक, नंदई चौक, महामाया चौक, बसंतपुर क्षेत्र आदि जगहों में पोरा जाता व नंदी बैल की दुकानें सजी रही जहां लोगों ने अपने बच्चों के लिए खरीदारी की। इस तरह बाजार में पूजा की दुकाने सजी रही। नंदी भगवान में चढ़ाने के लिए नारियल, फल-फूल दूबी व अन्य पूजन सामग्रियों की खासी मांग बनी रही।

बैल दौड़ स्पर्धा

पोला पर्व पर शहर सहित गांवों में भी बैल दौड़ स्पर्धा की धूम बनी रहती है। शहर में लखोली नाका चौक से लेकर गंज चौक व गंज लाइन तक होने वाली बाल समाज वालों की बैल दौड़ स्पर्धा की धूम रहती है। इसी तरह चिखली वार्ड, लखोली, कन्हारपुरी, सिंगदई आदि क्षेत्रों में बैल दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसे देखने लोगों की खासी भीड़ उमड़ती है। बाल समाज द्वारा आयोजित बैल दौड स्पर्धा में गंज चौक में मेले जैसा माहौल बना रहता है। प्रथम, द्वितीय आने वाले बेल जोडियों को आकर्षक इनाम दिया जाता है।

पूजे जाएंगे नंदी बैल

छत्तीसगढ़ का लोक पारम्परिक पर्व पोला को लेकर लोगों में खासा उल्लास व उत्साह बना हुआ है। लोगों ने पर्व एक दिन पहले मिट्टी व लकड़ी से बने नंदी बैल की खरीदी कर ली है। पोरा जांता भी खरीद लिए गए है।

आज अमावस्या के दिन कृषि कार्य में उपयोग आने वाले बैलों को सुबह से अच्छी तरह नहलाया घुलाया जाएगा तथा उसके सिंग व खुरों में तेल व पेंट लगा कर चमकाया जाएगा। साथ ही उसे अच्छी तरह सजा कर नंदी देवता का स्वरूप देकर उसकी पूजा-अर्चना की जाएगी।

घर में बने विभिन्न प्रकार के पकवान वृषभ देवता को खिलाया जाएगा। इसी तरह बच्चों के खेलने के लिए ले जाए गए नंदी बैल व पोरा-जाता को घर के एक स्थान में रखकर उसको हूम धूम दिया जाएगा व घर में बनी मीठी रोटी पकवान चढ़ाकर पूजा की जाएगी। इस दौरान घरों सहित वार्ड-मुहल्लों में नंदी महराज के प्रति पूजा भक्ति का माहौल देखने को मिलेगा।

भाजपा के लोग दारू-गांजा की बंटवारे के लिए झगड़ा हो रहे है-भूपेश बघेल

राजनांदगांव(दावा)। कोसरिया यादव समाज के शहर में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भी महोत्सव के समापन समारोह में पधारे पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने आज भाजपाई पर शराब-गांजा की बटवारे वाली तंज कस दी। इससे राजनीति माहौल गरमा गया है।

म्यूनिस्पल हाईस्कूल मैदान के गांधी सभागृह में आयोजित कोसरिया यादव समाज के कार्यक्रम के दौरान श्री बघेल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि मैने सुना है... या किसी समाचार पत्र में पढ़ा है कि भाजपा के लोग गांजा-शराब में बंटवारा के लिए झगड़ा हो रहे है। साथ ही उन्होंने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह जब छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए थे तब बोल गए है कि यहां गांजा का उपयोग दुगुना हो गया है। श्री बघेल ने भाजपा के कार्यकर्ता संतोष पटेल की शराब से संबंधित बात भी कही। उन्होंने भाजपा पर गौठान बंद करने की बात उठाते हुए कहा कि गौठान खोले जाने का उद्देश्य फसलों को बचाने व सड़क दुर्घटना से लोगों की जान माल की सुरक्षा करने के लिए था लेकिन भाजपा सरकार आते ही न केवल गौठानों को बंद कर दिया गया। राजीव मितान, राजीव न्याय योजना, गोबरधन योजना, शहीद महेन्द्र कर्मा सहायता योजना को बंद कर दिया गया।

डॉ. खूबचन्द बघेल स्वास्थ्य योजना, स्वामी आत्मानंद योजना का नाम बदल दिया गया। हम लगातार इसका विरोध कर रहे है। भूपेश बघेल के इस बयान की भाजपा में तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है।

छत्तीसगढ़ में खप रही महाराष्ट्र की शराब, पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपी

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ में सीमा प्रांत महाराष्ट्र की शराब धड़ल्ले से खप रही है। छुरिया पुलिस को सूचना मिलने पर अवैध शराब परिवहन करने वाले आरोपी को धर दबोचा है। बताया जाता है कि आरोपी द्वारा महाराष्ट्र की शराब को ट्रक के केबिन में छिपा कर अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा था। आरोपी के पास से 86 पौवा देशी दारू महाराष्ट्र निर्मित कीमती 6020 रूपये एवं परिवहन में प्रयुक्त वाहन आईचर क्रमांक सीजी-08/बीए 5297 पेंट भरी कीमती 26 लाख रूपये तथा वाहन के कागजात कुल जुमला कीमती 2606020/- रूपये जप्त किया गया। आरोप आईचर चालक का नाम राजू साहू पिता लेखराम साहू उम्र 36 साल निवासी रामपुर (महराजपुर) पुलिस चौकी चिचोला थाना छुरिया बताया जाता है।

छुरिया पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि एक आईचर वाहन में काकोडी महाराष्ट्र की ओर से शराब लेकर छुरिया डोंगरगांव की ओर अभी रात्रि में आ रही है कि सूचना पर स्टाफ द्वारा छुरिया-डोंगरगांव रोड खुंटा छुरिया मोड पास नाकाबंदी किया नाकाबंदी के दौरान छुरिया की ओर से एक चार पहिया आया जिसे रोकवाकर पूछताछ व वाहन को चेक किया। चेकिंग के दौरान वाहन के केबिन में ड्राइवर सीट के पीछे प्लास्टिक बोरी श्री साईं शक्ति मुरमुरा उद्योग लिखा जिसमें एक प्लास्टिक बोरी में रखा कुल 86 पौवा देशी दारू महाराष्ट्र निर्मित जिसके प्रत्येक में 180 मिली. भरी कुल 15.480 बल्क लीटर कीमती 6020 रूपये की तथा आईचर वाहन में पेन्ट भरी कीमती 26 लाख रूपये तथा वाहन के कागजात कुल जुमला कीमती 2606020 रूपये को जप्त अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया आरोपी को न्यायिक रिमांड हेतु भेजा गया।

उक्त कार्यवाही में निरीक्षक अवनीश कुमार श्रीवास, उपनिरीक्षक ओम साहू, आरक्षक देवीप्रसाद साहू एवं फुलेन्द्र राजपूत का विशेष योगदान रहा।

आज से डिलापहरी में रामधुनी प्रतियोगिता

राजनांदगांव (दावा)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ग्राम डिलापहरी में दो दिवसीय रामधुनी प्रतियोगिता आज 2 एवं 3 सितम्बर दिन सोमवार और मंगलवार को समस्त ग्राम वासियो के तत्वावधान में रखा गया है। प्रवेश शुल्क 201 रु रखा गया है। ईनाम इस प्रकार से है - प्रथम 5001 रुपये, दितीय 4001 रुपये, तृतीय 3001 रुपये, चतुर्थ 2001 रुपये, पंचम 1001 रुपये साथ ही प्रत्येक प्रतिभागी मंडली को सदाबहार पुरुस्कार 701 रुपये है। उक्त जानकारी घनश्याम पाटल ने दी है।

ग्राम बिजेतला में नये औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना को लेकर उद्योग व व्यापार जगत में हर्ष

औद्योगिक इकाई में विभिन्न प्रकार की सुविधाएं

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक राजा माखीजा ने डॉ. रमन सिंह एवं समस्त भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ को बधाई दी तथा अनुरोध किया कि इस आदर्श औद्योगिक इकाई में विभिन्न प्रकार की सुविधाएं जैसे फूड पार्क, मेडिकल इंस्ट्रूमेंट पार्क, इलेक्ट्रॉनिक पार्क, टॉयज पार्क,टेक्सटाइल पार्क एवं अन्य अनेक सुविधाएं, मुख्य पूंजी अनुदान, ब्याज अनुदान, बिजली बिल अनुदान, जीएसटी अनुदान यथा संभव प्रदान किया जाए तथा इसके लिए राजनांदगांव के व्यापारियों द्वारा अपील की गई। विधानसभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह को सभी व्यापारियों ने उनके राजनांदगांव निवास स्थान जाकर बहुत-बहुत धन्यवाद दिया एवं व्यापारी हित के लिए अपील की।

राजनांदगांव(दावा)। छत्तीसगढ़ में उद्योग एवं वाणिज्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने राजनांदगांव जिले के ग्राम बिजेतला में 421.9 एकड़ भूमि पर नवीन आदर्श औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

यह मांग सभी राजनांदगांव के व्यापारीगण द्वारा विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी को वक्त-वक्त पर निवेदन रखा गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के आधार पर लिया गया यह निर्णय काफी सराहनीय है, इससे व्यापार जगत में राजनांदगांव जिला और विकसित होगा इस आदर्श औद्योगिक क्षेत्र की स्वीकृति पूर्व मुख्यमंत्री माननीय डॉ. रमन सिंह के अनुशंसा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

गौरतलब है कि, औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए चयनित भूमि परिकल्पित परियोजना का मुख्य आधार होगी, जो क्षेत्र में रोजगार सृजन, आर्थिक विकास और औद्योगिक प्रगति का मुख्य आधार बनेगी। इस कदम से न केवल स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा।

राजा मखीजा ने इस सैद्धांतिक मंजूरी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, यह निर्णय राज्य के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इससे न केवल राजनांदगांव बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के विकास को गति मिलेगी।÷ उन्होंने आगे कहा कि यह निर्णय राज्य सरकार की दूरदर्शिता और औद्योगिक विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

पुलिस ने अवैध रूप से शराब बिक्री के आरोपी को पकड़ा

राजनांदगांव (दावा)। बसंतपुर पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री करने वालो पर धर पकड़ कार्रवाई तेज कर दी है। इसके तहत आरोपी निशांत बोरकर उर्फ राजा पिता अनिल बोरकर उम्र 25 वर्ष निवासी वार्ड नं. 43 शिवनगर के कब्जे से 18 पौव्वा देशी प्लेन मंदिरा और बिक्री रकम 240 रूपये जप्ती किया गया है।

थाना प्रभारी बसंतपुर निरीक्षक सत्यनारायण देवांगन ने बताया कि मुखबीर की सूचना के आधार पर रेड कार्यवाही कर शिव मंदिर के पास बसंतपुर में निशांत बोरकर उर्फ राजा को अवैध रूप से शराब बिक्री करते रंगे हाथ पकड़ा और उसके कब्जे से 18 पौव्वा देशी प्लेन मदिरा 3.240 बल्क लीटर कीमती 1620 रूपये बिक्री रकम 240 रूपये जप्ती कर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया।

देवेंद्र यादव के गिरफ्तारी के विरोध में युवा कांग्रेस ने निकाली मशाल यात्रा

भारी बारिश में मशाल लेकर जयस्तंभ चौक से निकले युवा कांग्रेसी

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा जी के निर्देशानुसार भिलाई जिला में पुलिस प्रशासन द्वारा कांग्रेसीयों के साथ मारपीट की घटना एवं सतनामी समाज के लिए आवाज उठाने पर विधायक देवेंद्र यादव, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष शैलेंद्र बंजारे, एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष सूर्यकांत वर्मा व सतनामी समाज के अन्य निर्दोष युवाओं के षड्यंत्र पूर्वक जेल भेजे जाने के विरोध प्रदर्शन करने में राजनांदगांव जिला युवा कांग्रेस द्वारा प्रदेश युवा कांग्रेस महासचिव मानव देशमुख एवं प्रदेश सचिव पवन तिवारी के संयुक्त तत्वाधान में मशाल रैली निकाली गई।

भारी बारिश में विधायक देवेंद्र यादव के प्रति समर्पण और उनके गिरफ्तारी की विरोध में आक्रोश के चलते युवाओं ने जयस्तंभ चौक से मानव मंदिर चौक होते हुए वापस जयस्तंभ चैक तक मशाल यात्रा निकाली, जय सतनाम के साथ सतनामी समाज के सम्मान में के नारे लगाते उतरे युवा कांग्रेसी, विजय शर्मा एवं पुलिस प्रशासन होश में आओ के भी लगे नारे।

कार्यक्रम में दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सूर्यकांत जैन जी के साथ राजनांदगांव शहर जिला युवा कांग्रेस से जिला उपाध्यक्ष एवं पार्षद ऋषि शास्त्री, जिला उपाध्यक्ष शिवम गढ़पाले, प्रदेश प्रवक्ता अभिमन्यु मिश्रा, जिला महासचिव आफताब अहमद, जिला महासचिव राहुल गजबीए, महासचिव शादाब अली, खान सौम्या शर्मा, रिजवान खान, तौफीक शेख, आयुष झा, पिंटू नयादु, विपिन डोंगरे जीत शर्मा अविनाश मेश्राम, सोनू यादव, अविनाश, यमन शेंडे, शाहिद शेख अन्य अन्य युवा काँग्रेसी उपस्थित थे.

गोल बाजार भाजपा शक्ति केन्द्र की बैठक संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आह्वान पर एवं जिला अध्यक्ष रमेश पटेल के निर्देशन में वार्ड नंबर 26 के संयोजक प्रिंस भाटिया के द्वारा शक्ति केंद्र क्रमांक 2 गोल बाजार जयस्तंभ चौक की आज 1 सितंबर को अरोरा परिसर में वार्ड 26 के निवासियों के साथ बैठक में सदस्यता अभियान के प्रभारी रवि सिन्हा और मंडल के अध्यक्ष तरुण लहरवानी, मणी भास्कर गुप्ता, मनोज, श्रीमती एकता अग्रहरि, हकीम खान, पार्षद शरद सिन्हा, विकास तिवारी चारों बुथ अध्यक्षों और रवि साहू, सुमित अजवानी, रोहित और वार्ड के प्रमुख कार्यकर्ता योगेश, तुलसी सिंह, राजेंद्र साहू, राकेश, कासार बाबा भाई और वार्ड के नागरिक उपस्थित थे।

रॉयल किड्स में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम रही

बच्चों ने दी नयनाभिराम प्रस्तुति

राजनांदगांव (दावा)। रॉयल किड्स कॉन्वेंट, डॉ. जेबी सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती प्रिया खंडेलवाल, श्रीमती सौम्या डुलानी, श्रीमती संगीता ठाकुर, श्रीमती गुंजन नटलानी रही।

इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत कर मां सरस्वती की पूजा कर, आशीर्वादक (पापा जी) लाल शंकर बहादुर सिंह, एवं जेबी सिंह (दादा) की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान शाला के विद्यार्थियों के द्वारा रास करके सुंदर प्रस्तुतियां दी गई। शाला प्रांगण की शोभा देखते ही बन रही थी इस कार्यक्रम की पावन बेला में बच्चे श्रीकृष्ण जी और राधा रानी व सुदामा बनकर आए और अपना रंगारंग प्रस्तुति देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाए। जिसमें छोटे-छोटे प्यारे-प्यारे बच्चों द्वारा कविता, नृत्य, भजन कीर्तन और कक्षा पांचवी के छात्रों द्वारा नाटक प्रदर्शन की प्रस्तुति दी गई, छात्रों ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म को नाटकों के माध्यम से दर्शाया और बताया कि बुराई पर अच्छाई की जीत होती है। उन्होंने यह संदेश भी दिया कि जीवन का हर पल एक उत्सव है और बच्चों को बताया गया कि जन्माष्टमी अंधकार के अंत और बुराई की हार का प्रतीक है। कार्यक्रम के अंत में हमारे छोटे-छोटे प्यारे-प्यारे बच्चों की सुंदर प्रस्तुति के लिए उन्हें पुरस्कृत भी किया गया।

इसी कड़ी में संस्था की अध्यक्षा श्रीमती डॉ. सविता जेबी सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, निर्देशक संजय बहादुर सिंह, सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, एकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल, बरसर आई.के. वैष्णव, सीबीएसई प्राचार्या श्रीमती एकता खंडेलवाल, सीजी प्राचार्या श्रीमती सुषमा शुक्ला, एचएम सरिता सिंह, श्रीमती मनीषा सिंह, श्रीमती इला सिंह एवं शिक्षक शिक्षिकाओं ने कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजित होने पर एवं बच्चों व पालकों के इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने पर खुशी जाहिर की व बच्चों को खूब सारा स्नेह वआशीर्वाद दिया।

मेघावी विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान, गट्टानी परिवार हुआ गौरवान्वित

डोंगरगढ़ (दावा)। अमन मूंदड़ा पिता विकास सौ. रूपा मूंदड़ा को माहेश्वरी समाज छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश स्तर पर उनके द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त करने पर मेघावी छात्र सम्मान 2024 प्रदाय किया गया है। अमन की इस उपलब्धि पर गट्टानी परिवार गौरवान्वित है। अमन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

अनमोल दावा

> दुनियवा का सबसे अच्छा गहना है 'परिश्रम' और सबसे अच्छा जीवन साथी है 'आत्मविश्वास'

ममता : भाजपा की आंख की किरकिरी

केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के अश्वमेद्य यज्ञ का घोड़ा रोकने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी भाजपा की आंख की किरकिरी बनी हुई है, भारतीय जनता पार्टी का सपना पूरे देश के सभी राज्यों पर 'एकछत्र' राज स्थापित करना है, किंतु पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे राज्य बाधक बने हुए है, अब पश्चिम बंगाल के मौजूदा हालातों को देखते हुए लगता है कि भाजपा ने आर-पार की लड़ाई शुरू करने की ठान ली है और भाजपा विरोधी नेताओं से हर तरीके से निपटने की ठान ली है, इसी का ट्रेलर मौजूदा पश्चिम बंगाल में दिखाई दे रहा है, इसलिए भाजपा ने भी तय कर लिया है कि वे हर कानूनी गैर-कानूनी कदम उठाकर अपनी मनोकामना पूरी करेगें, इसके लिए उन्हें कुछ भी क्यों न करना पड़े? इसलिए यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा अपनी कौशिशों में कामयाब नही होती है तो वहां राज्यस्तरीय अशांति के नाम पर सरकार को भंग कर राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है, जिसकी सिफारिश वहां के राज्यपाल केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलकर पहले ही कर चुके है।

अब यहां मुख्य सवाल यह पैदा होता है कि पश्चिम बंगाल में जिस घटना को लेकर राजनीतिक उठापटक की जा रही है, वैसी घटनाएं तो भाजपा शासित उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों में कई घट चुकी है, फिर वहां पश्चिम बंगाल की मौजूदा तर्ज पर आंदोलन क्यों नही हुए, भाजपा शासित उत्तरप्रदेश तो अपराधों का सबसे बड़ा केन्द्र माना जाता रहा है, जहां के मुख्यमंत्री अब शांति का दावा कर रहे है, तो क्या वास्तव में उत्तरप्रदेश ''अपराध शून्य प्रदेश'' हो गया है, जबकि वहां के लोगों का यह कहना है कि वहां ऐसे अपराधों में कोई कमी नही आई है, उन्हें सार्वजनिक रूप देने पर सक्षम रोक लगाई गई है।

अब जहां तक पश्चिम बंगाल का सवाल है, वहां पिछले दो-तीन दिन से जो कुछ हो रहा है, उसके पीछे केवल और केवल भाजपा का ही हाथ बताया जा रहा है, वहां के छात्रों को इस विध्वंसक राजनीति का मोहरा बनायया गया है और इस सबका एकमात्र राजनीतिक उद्देश्य पश्चिम बंगाल को 'अशांत राज्य' बताकर वहां की सरकार को भंग कर वहां राष्ट्रपति शासन कायम करना है, अब तक का यह इतिहास रहा है कि केन्द्र में जिस दल की भी सरकार होती है, वह विरोधी पार्टी की राज्य सरकारों को इसी तरह गिरती आई है और राष्ट्रपति शासन कायम करती आई है, आज विपक्ष में विराजित कांग्रेस ने भी केन्द्र में सरकार रहते, विरोधी दलों की राज्य सरकारों पर अनेक बार यही सलूक किया है, इसलिए आज केन्द्र में विराजित सरकार पश्चिम बंगाल को लेकर जो सोच रही है, वह भारतीय राजनीति में कोई नया नही है।

पश्चिम बंगाल के बारे में कोठ सख्त कानूनी कदम उठाने के पहले भारतीय जनता पार्टी इस पहलू पर भी गंभीर चिंतन कर रही है कि केन्द्र के इस कदम का अगले एक दो महीनों में होने वाले कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों पर क्या असर पड़ेगा, इसी मसले पर अभी भाजपा में गंभीर चिंतन जारी है, जिसकी बागडोर गृहमंत्री अमित शाह संभाल रहे है।

इस प्रकार कुल मिलाकर मौजूदा समय इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि क्योंकि भारत के राजनीतिक दल अपनी भावी योजनाओं के गंभीर चिंतन में वयस्त है तथा मुख्यत: भाजपा पूरे देश पर 'एकछत्र राज' स्थापित करने के मंसूबों में व्यस्त है, अब ऐसे में देश में विकास व जनहित की योजनाओं पर मंथन शून्य हो गया है।

नए औद्योगिक शहरों से उम्मीदें

आधारभूत ढांचे का ध्यान रखना होगा विशेष ध्यान

संजय गुप्त

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने औद्योगिक कारिडोर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत 10 राज्यों में 12 औद्योगिक स्मार्ट सिटी विकसित करने की जिस योजना को हाल में मंजूरी दी, वह समय की मांग थी। इस फैसले के अनुसार उत्तराखंड में खुरपिया, पंजाब में राजपुरा, उत्तर प्रदेश में आगरा एवं प्रयागराज, बिहार में गया, महाराष्ट्र में दिघी, राजस्थान में जोधपुर-पाली, आंध्र प्रदेश में कोपर्थी एवं ओर्वाकल, तेलंगाना में जहीराबाद और केरल में पलक्कड़ में नए औद्योगिक शहर स्थापित किए जाएंगे। इसी तरह का एक शहर हरियाणा में स्थापित होगा। ये शहर बड़े औद्योगिक गलियारों के आसपास विकसित होंगे। ज्ञात हो कि आम बजट में इन औद्योगिक शहरों की स्थापना की घोषणा की गई थी। सरकार का मानना है कि इन औद्योगिक शहरों के विकास में 28,602 करोड़ रुपये का निवेश होगा और इन शहरों में 1.50 लाख करोड़ का औद्योगिक निवेश आएगा, जिससे 10 लाख प्रत्यक्ष जबकि 30 लाख अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी।

फिलहाल कहना कठिन है कि ये शहर कब तक स्थापित हो सकेंगे और देश को उनसे कब तक लाभ मिलने लगेगा, क्योंकि सरकार की बड़ी योजनाएं तय समय में कठिनाई से ही पूरी होती हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अतीत में इस तरह की कुछ महत्वाकांक्षी घोषणाएं सही तरह आगे नहीं बढ़ सकीं और कुछ तो अपनी अहमियत खो बैठीं। उदाहरणस्वरूप विशेष आर्थिक जोन यानी एसईजेड उस तरह स्थापित नहीं हो सके, जैसी उम्मीद की जा रही थी। स्पष्ट है कि सरकार को इसके लिए विशेष प्रयास करने होंगे कि 12 नए औद्योगिक शहरों की स्थापना का लक्ष्य तय समय में सही तरह पूरा हो। नए औद्योगिक शहरों को बसाने में तब कामयाबी मिलेगी, जब सरकार को निजी क्षेत्र का हरसंभव सहयोग मिलेगा। यह सहयोग तभी संभव है, जब निजी क्षेत्र को इनमें आकर्षण दिखेगा। ध्यान रहे कि कुछ प्रस्तावित औद्योगिक शहर बड़े शहरों से दूर हैं। इसके चलते कुशल कारीगर और प्रबंधन के दक्ष लोग वहां रहना चाहेंगे या नहीं, यह भविष्य ही बताएगा।

निःसंदेह देश को ऐसे शहरों की आवश्यकता तो है, लेकिन जब तक उनमें अच्छी-खासी संख्या में उद्योग स्थापित नहीं हो जाते और नागरिक आबादी की बसाहट के लिए उपयुक्त आधारभूत ढांचे का निर्माण नहीं हो जाता, तब तक वे लोगों के आकर्षण का केंद्र नहीं बनेंगे। यदि ये नए शहर अच्छी तरह बसाए जा सके तो उनके पास के बड़े शहरों में आबादी का बोझ कम किया जा सकता है। इन बड़े शहरों का आधारभूत ढांचा चरमरा रहा है। यह किस तरह चरमरा रहा है, इसका प्रमाण मानसून के इन दिनों में अच्छी तरह देखा जा सकता है। इन दिनों देश के कई बड़े शहर जलभराव से त्रस्त हैं। कुछ शहर तो बाढ़ के प्रकोप का सामना कर रहे हैं और इसके चलते उनका आधारभूत ढांचा और भी तेजी से खराब हो रहा है। कहने को तो देश के हर शहर के नगर निकायों ने मानसून से पहले जल निकासी का प्रबंध करने के दावे किए थे, लेकिन वे दो-चार बार की बारिश के बाद ही दम तोड़ गए। इस मामले में राजधानी दिल्ली की स्थिति भी दयनीय है। शहरों में जल निकासी और खासकर वर्षा जल निकासी की जो व्यवस्था है, वह गई-बीती ही अधिक है। यह व्यवस्था अपर्याप्त तो है ही, खराब इंजीनियरिंग एवं अतिक्रमण के कारण और भी दुर्दशाग्रस्त हो गई है। हमारे कई शहर ऐसे हैं, जहां सीवरेज की व्यवस्था आधी-अधूरी है। अब जब केंद्र सरकार 12 नए औद्योगिक शहर विकसित करने जा रही है, तब उसे बड़े शहरों के आधारभूत ढांचे की भी सुध लेनी चाहिए। कायदे से छोटे शहरों के आधारभूत ढांचे को भी संवारा जाना चाहिए, लेकिन यह तो वह काम है, जिसे राज्य सरकारों को करना है। समस्या यह है कि राज्य सरकारें इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही हैं। इसके चलते नगर निगम जैसी संस्थाओं की कार्यप्रणाली सुधरने का नाम नहीं ले रही है।

यह सही समय है कि नगर निगमों, नगर पालिकाओं के कामकाज को ठीक करने का काम प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। यह राज्य सरकारों की प्राथमिकता के अभाव का ही परिणाम रहा कि स्मार्ट सिटी योजना अपेक्षित नतीजे नहीं दे सकी। औद्योगिक शहरों की स्थापना करते समय उन कारणों पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है, जिनके चलते स्मार्ट सिटी योजना उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। स्मार्ट सिटी योजना के संचालन के बाद भी नगर निकायों और शहरी ढांचे संबंधी अन्य सरकारी एजेंसियों की कार्यप्रणाली में कोई उल्लेखनीय बदलाव नहीं आ सका है। यह इसीलिए नहीं आ सका, क्योंकि इन संस्थाओं का कामकाज बेहतर करने की जिम्मेदारी जिन जनप्रतिनिधियों और नौकरशाहों की थी, उन्हें जवाबदेह नहीं बनाया जा सका। इन्हें जिम्मेदार और जवाबदेह बनाए बिना शहरों के आधारभूत ढांचे को सुधारा नहीं जा सकता। निःसंदेह नगर निकायों के साथ आम जनता को भी जिम्मेदार बनना होगा। उन्हें आधारभूत ढांचे संबंधी नियम-कानूनों के पालन के प्रति सजग रहना होगा। बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण और अतिक्रमण इसीलिए होते हैं, क्योंकि आम लोग संबंधित नियम-कानूनों का पालन नहीं करते। जब कहीं एक-दो जगह अवैध निर्माण हो जाता है, तो बाकी के लिए वह नजीर बन जाता है।

जब अवैध निर्माण या अतिक्रमण हो रहा होता है, तब उसे कोई रोकने-टोकने वाला नहीं होता। इसी के चलते झुग्गी बस्तियां स्थापित हो जाती हैं। जब उनमें आबादी बढ़ जाती है तो उन्हें वैध करार देने की पहल होने लगती है। वोट बैंक के लालच में सरकारें भी अवैध तरीके से बनाई गई बस्तियों और कालोनियों को नियमित कर देती है। जब ऐसा होता है तो अनियोजित विकास को बढ़ावा मिलता है और वह शहरों की सूरत बिगाड़ता है। यदि जनता आधारभूत ढांचे के सुनियोजित विकास को लेकर जागरूक नहीं होती तो शहरों की जो समस्याएं हर वर्ष बढ़ती जा रही हैं, वे विकराल होती जाएंगी और उनका समाधान अत्यंत कठिन हो जाएगा।

शहरों का बिगड़ता आधारभूत ढांचा उनमें रहने वाले लोगों के समक्ष त्राहिमाम की स्थिति ही पैदा करेगा। हमारे नीति-नियंताओं को इसकी अनदेखी नही करनी चाहिए कि शहर विकास के इंजन होते हैं और यदि उनके आधारभूत ढांचे को ठीक नहीं किया गया तो आर्थिक विकास के लक्ष्य को पाना कठिन ही होगा।

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम-247 : श्री राम ने सीता जी से कहा, वन जाना मेरा दायित्व और अयोध्या की सेवा करना तुम्हारा

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

यह सुनकर माता कौशल्या और माता सुमित्रा भावुक हो गईं।उनकी आंखों से आंसू की बूंदें छलक उठीं। उन्होंने जानकी जी को अपने गले लगा लिया।

माता सुमित्रा ने सीता जी से कहा, ''यह क्या कह रही हो सीता? पुत्र राम कैकेई की इच्छा के अनुसार और महाराज के अव्यक्त आदेश का पालन करने के लिए वन जा रहा है। वन का जीवन कष्टों से भरा है।यह तुम्हारे लिए अनुकूल नहीं होगा।''

''मुझे इनका अनुमान है मंझली माता।'' सीता जी ने कहा।

माता कौशल्या ने समझाने का प्रयत्न किया, ''तुम्हें केवल अनुमान है पुत्री लेकिन तुम एक राज परिवार की कन्या हो और राज परिवार में ही वधू बनाकर आई हो। यहां तुम सुख सुविधाओं में रहती हो।तुम्हारा सामना वन के कष्टों से कभी नहीं हुआ है और राम के साथ वन जाना इतना आसान नहीं है।''

श्री राम ने माताओं की बात का समर्थन करते हुए कहा, ''मेरा कर्तव्य वनवास है सीता और तुम्हारा कर्तव्य अयोध्या राज्य में ही निवास करते हुए राज कार्यों में पिता महाराज और भ्राता भरत की सहायता है। तुम राज परिवार की ज्येष्ठ पुत्रवधू के रूप में पिता महाराज और माताओं की सेवा के दायित्व से भी बंधी हो। जिन कर्तव्यों का पालन माताएं करती आ रही हैं, अब उन्हें माताओं की देखरेख में तुम्हें संपन्न करना है। तुम अगर मेरे साथ वन जाओगी,तो अयोध्या में एक बड़ी रिक्तता उत्पन्न हो जाएगी।''

सीता जी ने तर्क दिया,''हे पुरुषोत्तम! अयोध्या में आपके नहीं होने से रिक्तता होगी, मेरे नहीं होने से नहीं। यह अयोध्या आपके बिना सूनी हो जाएगी। मेरे संबंध में आपकी भावनाएं उच्च स्तरीय हैं और मैं इनका सदैव पालन करना चाहूंगी, लेकिन सीता के साथ की आवश्यकता ज्येष्ठ राजकुमार को अधिक होगी, अयोध्या को नहीं क्योंकि यहां उर्मिला, मांडवी और श्रुतकीर्ति भी हैं, लेकिन वन के कंटकपूर्ण मार्ग में आप अकेले ही चलेंगे।''

(भगवान श्री राम की प्रेरक गाथा संस्कृत साहित्य में आदि कवि वाल्मीकि और हिंदी साहित्य में अवधी के महाकवि तुलसी से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं की शताधिक रामायणों में लिखी गई है।लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है।उन्होंने उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए श्री राम के जीवन के विविध प्रसंगों में अनेक स्थानों पर एक साधारण भक्त की अपनी नवीन रचनात्मक कल्पनादृष्टि का भी सहारा लिया है और रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

शब्द सामर्थ्य -165

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गरिया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल

ऊपर से नीचे
1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

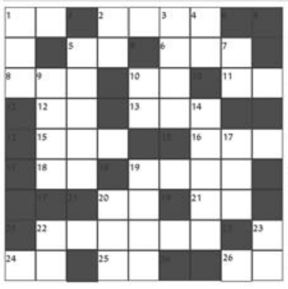

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 164 का हल

सू- दोकू क्र.165

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.164का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

छत्तीसगढ़ के लोक परब ''पोरा''

गाय-गरू-बईला मन के आभार के प्रतीक

अशोक पटेल ''आशु''

हमर देश हर एक कृषि प्रधान देश आय। जिहाँ ल बारह मासी कुछु न कुछु किसम के दलहन-तिलहन अउ धान के फसल लगाए जाथे।ए सब्बो फसल लगाय म हमर पोसे गाय-गरू बईला मन के विशेष योगदान होथे। ए मन के बिना हमर कोनो खेती-किसानी के कारज नई होवय। अउ

इही कारण से हमर देश म विशेष करके छत्तीसगढ़ म हमर किसान भाई मन अपन बाहन-बईला के आभार माने खातिर पोरा के परब ल मनाथें।

पोरा के परब हर हमर बाहन-बईला मन ल

समर्पित रहिथे। ए दिन गाय-गरू-बईला मन के विशेष पूजा अर्चना करे जाथे।

छत्तीसगढ़ के लोक परंपरा के प्रमुख परब पोरा ल इहाँ अड़बड़ उमंग, उत्साह अउ धूमधाम के साथ मनाए जाथे। एकर कारण भी हावय, ओ कारण एहर

आय की हमर किसान भाई मन के धान हर

इही पोरा के दिन गरभ धारण करे ल शुरु करथे।अन्नकुमारी स्वरूपा धान के पोरे-पोर म गरभ समा जाथे। तभे तो ए धान हर सुघर नवाङ्कनवरिया बहुरिया कस लागथे।जेमा हमर बाहन-बईला मन के विशेष योगदान रहिथे।

'पोरा' अर्थात 'पोला' के परब ला भादो मास के अमावस्या के दिन मनाए जाथे। ए दिन हमर किसान भाई मन विशेष करके बईला ल नऊहा-धोवा के अड़बड़ सजाथें।फेर ऊकर पूजा करथें। ए परब के दिन किसानीन दाई मन बरा,गुरहा सोहांरी बनाके घर म माटी के बईला म भोग लगाथें।अपन बाहन-बईला ला घलो खवाथें।फेर ओला घर-भर परसाद के रूप म बांट खाथें।

ए परब के नाम हर ''पोला'' काबर परिस? आऊ ''पोला'' काबर मनाए जाथे? एकर पाछु म एक ठन विशेष कारण रिहिस हे। द्वापर जुग म जब भगवान नारायण विष्णु हर कृष्ण रूप लेके धरती मा जनम लिन ता आठे कन्हईया मनाय गिस। अउ तब से लेकर उकर ममा कंस हर ओला मारे खातिर पाछु परे रिहिस। ए बेरा म जब कृष्ण हर नानकुन रिहिस त पित बासुदेव अउ माता जसोदा तीर म रहय। अईसन बेरा म उकर ममा कंस हर कईओ बार राक्षस मन ला मारे बर पठोईस पर कोनो मार नई सकिन।तब एक दिन कंस हर ''पोलासुर'' नाम के एक झन राक्षस ला भेजिस। जेला नानकन कृष्ण हर लीला करत-करत मार दारिस। जेला देख के सब्बो अचंभित होगिन।ए हर उही भादो मास के अमावस्या के दिन रिहिस हे। एकर सेती ए दिन ल पोला परब के नाम ले जाने गिस।

हमर छत्तीसगढ म पोरा के विशेष महत्व

होथे, ए परब म हमर बईला मन के पूजा

होथे। इही मन के पाछु मा खेती किसानी के कारज़ होथे।जेकर से हमर किसान मन ला आर्थिक लाभ होथे। अउ एकरे सेती ये परब मा हमर किसान मन अपन बाहन-बईला ल आभार देहे खातिर ऊमन पूजा- अर्चना करथें।ताकि उकर घर-परिवार म सदा आशीर्वाद बने रहय।

ए परब के बेरा म किसान मन अपन

बईला के पूजा करथें अऊ किसानीन दाई मन माटी के बईला के पूजा करथें।पूजा करे के बाद इही बईला ल नान्हे-नान्हे लइका मन खिलौना बना के खेलथें। ए हर आय हमर छत्तीसगढ के लोक-परब 'पोरा'। जेमा धरम-करम, आस्था-विश्वास अउ संस्कृति के झलक ह दिखथे।

- तुस्मा, शिवरीनारायण (छ.ग.) मो. नं.- 9827874578

राशिफल

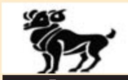

मेष

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अधिकारियों के साथ आपको अपने व्यवहार में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। धन लाभ के नए सोर्स नजर आ सकते हैं। आज बिजनेस में उत्साह के साथ आर्थिक शक्ति का प्रदर्शन कर पाएंगे, आप से प्रतिस्पर्धा करने वाले एवं ईर्ष्या करने वालों के दाँत खट्टे होंगे।

वृषभ

आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। परिवार में सुख समृद्धि का वातावरण रहेगा। आज पराक्रम और धैर्य की वृद्धि होगी। फैमिली का माहौल अगर खराब है तो अपनी समझदारी से और हंसमुख स्वभाव से परिवार का माहौल शांत रखने की कोशिश करेंगे। किसी सोंचे हुए काम की शुरुआत आज करेंगे।

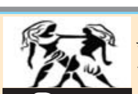

मिथुन

आज आपका दिन उत्साह से भरपूर रहेगा। दैनिक जीवन की गतिविधियां अच्छी चलेंगी। आपका मन आध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे। इस राशि के नवविवाहितों के लिए आज का दिन काफी अच्छा है। रचनात्मक काम से आपको धन लाभ होगा।

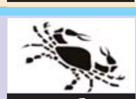

कर्क

आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आपका काम मन-मुताबिक होगा। मित्रों के साथ किसी खास विषय पर बातचीत होगी, जिससे आपको फायदा हो सकता है। बात करे सेहत की तो आपको सेहत को लेकर अलर्ट रहना होगा। किसी भी काम को करने में मन अधिक लगेगा। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा।

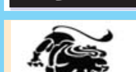

सिंह

आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। आज दांपत्य जीवन के अनबन को दूर करने की कोशिश करेंगे, आपका एक छोटा-सा प्रयास घरेलू जीवन अच्छा हो सकता है।

कन्या

आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। व्यर्थ के कामों में अपना समय बर्बाद न करें। रूका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है। आज आपको ऑफिस के रुके कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक फोकस करना चाहिए, जितना जल्दी हो सके काम को पूरा करने पर ध्यान दें।

तुला

आज का दिन आपके लिए बेहद खास है। वर्कप्लेस पर आपको किसी कार्य के लिए सहकर्मियों और सीनियर्स की मदद मिलेगी जिससे आपके कार्य पूर्णता की ओर बढ़ेंगे। पार्टनरशिप में बिजनेस करने वाले बिजनेसमैन को व्यापारिक मामलों को लेकर साझेदार से मीटिंग करेंगे। कपड़ा व्यापारियों को अधिक लाभ से मन प्रसन्न रहेगा।

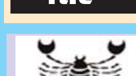

वृश्चिक

आज का दिन शुभ है। व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। प्रशासनिक पद पर आसीन लोगों को पदोन्नति मिलने से खुशी होगी। नया वाहन लेने का विचार परिवार जनों से करेंगे। सरकारी करमचारियों को पदोन्नति हासिल होगी। पारिवारिक सुख सुविधाएं बनी रहेंगी। संतान से सुख मिलेगा। समाज में लोगों से अच्छा तालमेल बनेगा।

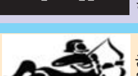

धनु

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। सोचने की क्षमता में तेजी आयेगी। पारिवारिक जिम्मेदारियों को अच्छे से निभायेंगे। लवमेट अपने रिश्ते की बात घरवालों से करेंगे। आज ससुराल पक्ष में कोई मांगलिक आयोजन की सूचना मिल सकती है, जिसमें आप शामिल होंगे, कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। छात्रों को लापरवाही करने से बचना चाहिए, मेहनत जारी रखें।

मकर

आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के हाई एजुकेशन पाने की ख्वाहिश रखने वाले स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल है। बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा। घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। दांपत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहेगा। रोजमर्रा के कामों में व्यस्तता बनी रहेगी। कारोबार में रूका हुआ पैसा वापस मिल सकता है।

कुंभ

आज आपका दिन नया बदलाव लाने वाला है। कोर्ट-कचहरी का फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। आज घरेलू जरूरत की चीजों की खरीददारी हो सकती है । आज अचानक होने वाली कुछ गतिविधियों पर नजर रखें । आप जो भी काम करने की सोचेंगे, उसे लेकर पॉज़िटिव नज़रिया रखने से सब काम अच्छे से होंगे।

मीन

आज आपका दिन शानदार रहेगा। अपनी परेशानियों का समाधान ढूंढ लेंगे। किसी खेल प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं। इस राशि के जॉब कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर्स आने के योग बन रहे हैं। घर में खुशी का माहौल बनेगा। संतान पक्ष से आज आपको खुशी मिल सकती है। आप अपनी बेहतर सोच से हालात को संभालने में सफल रहेंगे।

40 गांवों से जुटे किसानों का ऐलान, सहकारी बैंक की शाखा के लिए अब आंदोलन होगा

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर कुमर्दा में 10 सितंबर को प्रदर्शन करेंगे किसान

राजनांदगांव (दावा)। खुज्जी विधानसभा के कुमरदा तहसील के 40 से अधिक गांवों के किसानों ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की शाखा की स्थापना को लेकर मोर्चा खोल दिया है। रविवार को किसान संघ की तहसील इकाई द्वारा बुलाई गई बैठक में सैकड़ों किसान शामिल हुए।

कुमरदा में जुटे किसानों ने बैठकर पांच सूत्रीय मांग तय की है। इसके लिए 10 सितंबर को क्षेत्रीय किसान कुमरदा में ही आंदोलन करेंगे। कुमरदा में सहकारी बैंक की शाखा के संचालन की मांग वर्षों से बनी हुई है। इस क्षेत्र कि किसानों को बीसों किलोमीटर का रास्ता तय करना पड़ता है। सुगम बैंकिंग प्रणाली की ओर बढ़ती अर्थव्यवस्था में इस अव्यवस्था से बड़ी परेशानी लोगों को उठानी पड़ रही है। किसान नेता चंदू साहू ने बताया कि, कुमरदा और आसपास के दर्जनो गांव के किसानों की मांग है कि कुमरदा में सहकारी बैंक की शाखा शुरु की जाए।

अभी इस क्षेत्र के लोगों को सहकारी केन्द्रीय बैंक से संबंधित कार्य के लिए डोंगरगांव जाना पड़ता है। डोंगरगांव में जो शाखा संचालित है उसके कार्य क्षेत्र में पहले ही सैकड़ा भर से ज्यादा गांव शामिल है। वहां तकरीबन 19 हजार खाते हैं। ऐसे में कई बार बैंक में व्यवस्था बिगड़ जाती है और मामला नियंत्रण से बाहर हो जाता है। समय पर किसानों का काम न होने के चलते उन्हें आर्थिक और मानसिक क्षति होती है।

बैठक में किसानों ने कहा कि, कुमरदा में शाखा संचालित की जानी चाहिए जिससे आसपास के तकरीबन 40 गांवों के लोगों को राहत मिलेगी। दूर सफर नहीं करना होगा और पूरा-पूरा दिन बैंक के कामों में नहीं खपेगा। किसानों ने मिलकर इस मांग को लेकर प्रदर्शन की रणनीति बनाई है। उन्होंने कुल पांच मुद्दे तय किए हैं। इनमें कुमरदा में सहकारी बैंक की शाखा, राजीव गांधी किसान न्याय योजना की शेष किस्त, अघोषित बिजली कटौती बंद करने, ग्राम चिरचारीकला को पूर्ण सोसायटी का दर्जा और हसदेव में पेड़ों की कटाई रोकने की मांग शामिल है।

शराब के नशे में मदहोश व्यक्ति के खिलाफ अपराध कायम

डोंगरगढ़ (दावा)। मुखबीर से प्राप्त सूचना पर पुलिस ने ग्राम ढारा हायर सेकण्डरी स्कूल के सामने मुख्य मार्ग पर शराब के नशे में मदहोश पड़े व्यक्ति के खिलाफ अपराध कायम किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति शराब पीकर मदहोश होकर सड़क किनारे पड़ा हुआ था। जिससे आने जाने वाले लोगो को देखकर बहुत खराब लग रहा है कि सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण बनाने के पूर्व शराबी से पूछताछ की गई।जिस पर आरोपी ने अपना नाम व पता सूरज ठाकुर पिता भोला सिंह ठाकुर उम्र 29 साल निवासी रानीगंज चौकी मोहारा थाना डोंगरगढ़ का रहने वाला बताया। जिसे समझाने का बहुत प्रयास किया फिर भी शराब के नशे में मदहोश पड़ा रहा। जिसका मौका पंचनामा तैयार किया गया। आरोपी का कृत्य अपराध धारा 36 (च) (1) आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया।

भोलापुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व मानव संसाधन पर सेटअप स्वीकृत की मांग को लेकर विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मिले ग्रामीण

छुरिया (दावा)। छुरिया विकासखंड जिला राजनांदगांव के अंर्तगत ग्राम भोलापुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन स्वीकृत होने के पशचात भवन निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं मानव संसाधन पद सेटअप की स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई है।

भोलापुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की मांग को लेकर आज भोलापुर के ग्रामीणों ने भाजपा के वरिष्ठ नेता एमडी ठाकुर उपाध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा रायपुर व जिला भाजपा के उपाध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद डडसेना के अगवाई मे ग्रामीणों ने पूर्व मुख्यमंत्री व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात किया। ग्रामीणों की मांग व आवेदन को गंभीरतापूर्वक पढ़ने व देखने के बाद सचिव परिवार कल्याण एवं स्वास्थ्य विभाग को पत्र लिकर भोलापुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृति दिलाने की बात कही।

भोलापुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वीकृति एवं मानव संसाधन पद सेटअप की मांग करने वालों में हेमलाल साहू (अध्यक्ष ग्राम विकास समिति भोलापुर) रूखम प्रसाद पांडे (सरपंच ग्राम पंचायत भोलापुर) शिशुपाल साहू (अध्यक्ष शाला विकास प्रबंधन समिति भोलापुर) भोजेश चतुर्वेदी (सचिव ग्राम विकास समिति भोलापुर) दुकालूराम साहू (कोषाध्यक्ष ग्राम विकास समिति भोलापुर) नोहरदास साहू (सहसचिव ग्राम विकास समिति भोलापुर) पंचराम साहू, लखनलाल साहू, मोनू गुप्ता आदि उपस्थित थे।

संपूर्णता अभियान अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण

मोहला (दावा)। कलेक्टर एस.जयवर्धन के निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मोहला डॉ. हेमेन्द्र भुआर्य के मार्गदर्शन में आकांक्षी विकासखंड अंबागढ़ चौकी में गतदिवस को 5 सेक्टर के सभी पर्यवेक्षकों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पोषण ट्रैकर एप के संदर्भ में प्रशिक्षण विनोद केवट (यूनिसेफ जिला समन्वयक) द्वारा दिया गया। आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम अंतर्गत चल रहे संपूर्णता अभियान के 6 इंडिकेटर में एक इंडिकेटर रेडी टू इट वितरण को शत-प्रतिशत करने और उसकी सही एंट्री करने निर्देशित किया गया। पोषण ट्रैकर ऐप में आ रही टेक्निकल समस्या पर भी चर्चा की गई और उसे सुलझाया गया। साथ ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले में चल रहे कुपोषण मुक्ति अभियान पोट्ठ लईका पर चर्चा किया गया। इस कार्यक्रम में सीईओ जनपद पंचायत अंबागढ़ चौकी श्रीमती प्रियंवदा रामटेके, सीडीपीओ विनीता सोनी, एबीएफ नीति आयोग सविता साहू, यूनिसेफ जिला एवं ब्लॉक समन्वयक उपस्थित रहे।

आज पोला पर्व बैल जोड़ी सजावट प्रतियोगिता

डोंगरगढ़ (दावा)। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी पोला पर्व बैल जोडी सजावट प्रतियोगिता 2 सितम्बर, सोमवार को कचहरी मैदान एवं स्वर्गीय श्रीमती भूली बाई के शिव मंदिर प्रांगण में संध्या 5.00 बजे रखी गई है। जिसमें प्रथम रनिंग शील्ड श्रीमती भूलि बाई की स्मृति में द्वितीय रनिंग शील्ड स्वर्गीय नत्थूलाल तराने की स्मृति में रखी गयी है।

प्रतियोगिता में प्रथम पुरूस्कार रनिंग शील्ड भूली बाई की स्मृति में एक धोती श्रीफल व 1100 रूपये नगद, द्वितीय पुरूस्कार रनिंग शील्ड स्वर्गीय नत्थूलाल जी तराने की स्मृति में एक धोती श्रीफल व 501 रू. तृतीय पुरूस्कार 301 रूपये नगद 1 धोती व श्रीफल रखा गया है। चतुर्थ पुरूस्कार अच्छी नस्ल पर रूपये नगद 1 धोती व श्रीफल रखा गया है। सांत्वना में 3 ईनाम रखा गया है। 201 रू नगद व एक गमछा, श्रीफल प्रत्येक को दिया जायेगा।

प्रत्येक बैल जोड़ी को 1 श्रीफल व 101 रूपये से सम्मानित किया जायेगा। आयोजन समिति ने बैल जोड़ी के स्वामी से अधिक से अधिक संख्या में अपनी बैल जोडी सजाकर लाने की अपील की है। उक्त जानकारी समाज सेवी रामजी तराने ने दी।

वनोपज सहकारी समिति खोभा के प्रबंधक कल्याण सिंह चंद्रवंशी को दी गई विदाई

छुरिया(दावा)। वनोपज सहकारी समिति खोभा जिला यूनियन राजनांदगाव के समिति खोभा के प्रबंधक के पद पर रिटायर होने पर समिति के अध्यक्ष सदस्य फाड़मुंशियों के द्वारा 30 अगस्त को बागनदी डेम के किनारे पर विदाई कर्यक्रम रखा गया था। जिसमे श्री फल साल मोमेंटो मुंशीयों के द्वारा कल्याण सिंह चंद्रवंशी को भेंट किया गया। कर्यक्रम छत्तीसगढ़ महतारी के तेलचित्र पर पूजा अर्चनाकर अतिथियों का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित समिति के अध्यक्ष गोविन्द चंद्रवंशी, कल्याण सिंह चंद्रवंशी, रिटायर प्रबंधक रवि कोले, वर्तमान प्रबंधक रजलाल निषाद, पूरन सेन, राजू मंडावी ने उद्बोधन किया।

साथ में नंदकुमार निर्मलकर, चुरामन साहू, सुनील सालमे, कृष्णा विश्वकर्मा, चामसिंग कंवर, बेनो बाई साहू, बसंती बाई दयाबाती बाई रामायण लाल, आनंदराम, बाबूलाल सिन्हा, प्रवीण कुमार, एनीश कुमार, भगित राम, परमेश्वर उपस्थिति थे। कार्यक्रम का संचालन पूरन सेन ने किया।

पारींखुर्द स्कूल के बच्चों ने किया बैंक भ्रमण

राजनांदगांव (दावा)। बैंगलेस डे (शनिवार) की गतिविधि के अन्तर्गत 31 अगस्त को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पारींखुर्द, संकुल - भर्रेगाँव के बच्चों ने शिक्षकों के निर्देशन में छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, शाखा - भर्रेगाँव का भ्रमण किया। बैंक में शाखा प्रबन्धक महोदया व अन्य स्टाफ द्वारा बहुत ही अच्छे ढंग से जमा व निकासी पर्ची भरना, राशि आहरण व जमा की प्रक्रिया, नेट बैंकिंग व अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों से बच्चों को अवगत कराया गया। बच्चों ने उक्त गतिविधियों को स्वयं उत्साहपूर्वक करके भी देखा। अपना अमूल्य प्रदान करने व बच्चों को महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान करने हेतु शाला के संस्था प्रमुख एस.के.सेवता, शिक्षिका विभा सिंहमारे व सुश्री पुष्पलता देवांगन द्वारा बैंक प्रबन्धक को सहृदय आभार प्रकट किया गया।

व्यक्तिगत लाभ की सोच से ऊपर उठकर स्वच्छता के प्रति करें सबको जागरूक - सुश्री दिव्या ठाकुर

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत चलाया गया स्वच्छता अभियान

डोंगरगढ़ (दावा)। शासन के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत बेलगांव में एक दिवसीय स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हायर सेकेंडरी स्कूल एवं मिडिल स्कूल के बच्चों के द्वारा रैली निकालकर समस्त ग्राम को स्वच्छता हेतु जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित जनपद पंचायत की सीईओ सुश्री दिव्या ठाकुर ने सभी से सूखा कचरा स्वच्छता दीदी को देने की अपील करते हुए कहा कि गांव में स्वच्छता तभी होगी जब हम इस अभियान की शुरुआत अपने घर से करेंगे। गिला कचरा तो खाद में परिवर्तित हो जाता है। लेकिन सूखा कचरा डिस्पोज नहीं होता।ऐसे में कई प्रकार की बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है। हमें व्यक्तिगत लाभ की सोच से ऊपर उठकर सामाजिक रूप से जागरूक होकर पूरे गांव को स्वच्छ बनाना है।

इस दौरान प्राचार्य श्रीमती कलिंद्री तिवारी, मिडिल स्कूल प्रधान पाठक रामभरोसा साहू, बेलगांव के सरपंच छबिलराम साहू ने भी सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक होकर अभियान को सफल बनाने की अपील की। कार्यक्रम में जनता पंचायत सीईओ ने सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक होने के लिए संकल्प भी दिलाया है।

इस अवसर पर ग्राम सचिव धीरेंद्र धर्मगुड़े, रोजगार सहायक, स्वच्छता महिला समूह,आंगनबाड़ी कार्यकती सभी शिक्षकगण के ग्राम पंच एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। एसबीएम के विकासखंड समन्वयक, मंगेसकर क्षेत्र समन्वयक श्री जंघेल उपस्थित थे।

जिले में तीनों जनपद पंचायतों में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित हॉस्पिटैलिटी के लिए काउंसलिंग 4 सितंबर को

मोहला (दावा)। छत्तीसगढ़ राज्य में वर्ष 2007 से शिक्षा क्षेत्र एवं 2011 से कौशल उन्नयन अंतर्गत ग्रामीण व पिछड़े क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को व्यावसायिक पाठ्यक्रम के तहत प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा आवासीय प्रशिक्षण देकर रोजगार एवं स्वरोजगार प्रदान किया जा रहा है। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा जून 2023 से अंजोरा में स्थित हॉस्पिटैलिटी कोर्स का प्रशिक्षण में 18 से 30 वर्ष के युवाओं को सम्मिलित किया जा रहा है।

कोर्स में मुख्यतः 45 दोनों का फूड बेवरेज, हाउसकीपिंग व मल्टी फंक्शनल ऑफिस संगठन डिपार्टमेंट के बारे में गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण प्रदान कर प्लेसमेंट से जोड़ा जा रहा है। जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन अंतर्गत विभिन्न कोर्स ड्राईवाल फॉलसीलिंग, प्लम्बिंग, इलेक्ट्रिकल, हॉस्पिटालिटी, ऑटोमोटिव 4व्हीलर कोर्स हेतु दिनांक 4 सितंबर, दिन बुधवार को समय 10:30 बजे से जिले के तीनो मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जनपद पंचायत के सभा कक्ष में युवाओं का काउंसलिंग किया जाना है।

जिले के इच्छुक युवाओं को काउंसलिंग हेतु निर्धारित स्थान, तिथि व समय में उपस्थित होकर काउंसलिंग करा सकते हैं। साथ ही प्लेसमेंट कैंप में उपस्थित होने वाले युवाओं को निम्नलिखित दस्तावेज अपने साथ लाना होगा आधार कार्ड, दो पासवर्ड साइज फोटो, अंक सूची 10 वीं 12वीं, राशन कार्ड अन्य संबंधित दस्तावेज लाना होगा।

मोक्षधाम सांकरदाहरा में दो दिवसीय श्री गोस्वामी तुलसीदास जन्मोत्सव का आयोजन

डोंगरगांव (दावा)। ग्राम सांकरदाहरा में श्री गोस्वामी तुलसीदास जी जन्मोत्सव का आयोजन श्री तुलसी मानस प्रतिष्ठान छ. ग. इकाई जिला राजनांदगांव द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम बड़ी संख्या मे लोग श्री रामचरित मानस गान का पाठ करते दिखे।

दो दिवसीय जिला स्तरीय इस आयोजन में बढ़ी संख्या में आसपास के ग्रामीण अंचल के लोग मौजूद रहे। जिसमे कांकर के पूर्व सांसद मोहन मंडावी ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और कार्यक्रम को संबोधित किया.

इसी क्रम में राजनांदगांव जिले के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दिनेश गांधी ने भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे तथा उन्होंने अपने उद्बोधन में इस कार्यक्रम के लिए श्री तुसली मानस प्रतिष्ठान जिला इकाई राजनांदगांव के सभी आयोजन समिति के सदस्यों को बधाई दी और कहा कि श्री रामचरित मानस हमें जीवन जीने की कला सिखाता है तथा हमें श्री तुलसीदास के लिखे रामायण पाठ का अनुसरण करना चाइए तथा वर्तमान में हो रहे गांव गांव में धर्मांतरण को हमे रोकना है। श्री गांधी ने सभी आयोजन समिति को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस कार्यक्रम में दीप्ति पांडे, अध्यक्ष पोषण शुक्ला, उत्तम नहाटा, हिमाचल प्रसाद, टेकराम निषाद, मुरली यादव, रामेश्वर साहू, अंजू शर्मा, सातानंद दुबे, आलोक भट्टाचार्य, संध्या पांडे, पी. राउत, कमल निर्मलकर, गोपालराम साहू तथा आयोजन समिति के समस्त सदस्य व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पदोन्नत होने पर शिक्षक हेमंत को दी गई विदाई

डोंगरगढ़(दावा)। संकुल मड़ियान अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला कोटनापानी में पदस्थ सहायक शिक्षक हेमंत कोर्राम को प्रधान पाठक जैतगुडरा विकासखंड छुरिया में पदोन्नत होने पर संकुल व शाला परिवार की ओर से विदाई दी।

संस्था प्रमुख चोवाराम भैंसारे ने कहा कि यह क्षण सुख और दुख से भरा है। हेमंत कोर्यम सहज, सरल, बहुआयामी व्यक्तित्व वाले शिक्षक हैं, उनकी कमी हमेशा रहेगी।

इस अवसर पर शाला परिवार को हेमंत कोर्राम ने साउंड सिस्टम भेंट स्वरूप दिया। इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, सदस्य व ग्राम प्रमुख मौजूद थे।

सिंघाभेड़ी स्कूल में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति का गठन

अध्यक्ष ने कहा समिति शाला के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहेगी

बांधाबाजार (दावा)। विकासखंड अंबागढ़ चौकी के ग्राम सिंघाभेड़ी के हायर सेकेंडरी विद्यालय में शाला प्रबंधन एवं विकास समिति का गठन किया गया। जिसमें प्रभारी मंत्री विजय शर्मा के द्वारा अध्यक्ष पद पर श्री अशोक निर्मलकर का मनोनयन किया गया है।

अध्यक्ष की उपस्थिति में सचिव रुपेश तिवारी, प्रभारी प्राचार्य एवं कोषाध्यक्ष आर.एल.मंडावी सहित सरपंच श्रीमती ललेश्री चंद्रवंशी, सूर्यप्रकाश राजपूत, श्रीमती मोहनी साहू, श्रीमती रामबाई कुंजाम, राजेंद्र मेश्राम, धरम निर्मलकर, कन्हैया कटेश्वर, पन्नालाल सोनी, कन्हैया साहू, आत्माराम चंद्रवंशी, जिरजोधन पटेल, आनंदीराम साहू, अनुराग यादव, मनोज देवांगन, वीरभद्र लाडे, त्रिभुवन साहू, किरण खरे, ममता वर्मा, ललिता श्रीवास्तव एवं सौरभ चंदेल सदस्य के रूप में मनोनित किए गए।

मारुति लाल कोचे हुए सेवानिवृत्त

डोंगरगढ़ (दावा)। सेवा सहकारी समिति मर्यादित ढारा पंजीयन क्रमांक 1436 में कार्यरत समिति प्रबंधक मारुति लाल कोचे का 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर सहकारी सेवा नियम अनुसार विदाई दिया गया। विदाई समारोह का शुभारंभ जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा डोंगरगढ़ के शाखा प्रबंधक योगेंद्र शर्मा, बी.एस. चंद्रवंशी, लेखपाल शैलेंद्र चंद्रवंशी, नीता मैडम, बैंक के समस्त स्टाफ एवं डोंगरगढ़ शाखा से संलग्न समितियां के समिति प्रबंधक एवं सहकारी कर्मचारी संघ के संरक्षक ईश्वर श्रीवास की उपस्थिति में डोंगरगढ़ के मारवाड़ी धर्मशाला में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सेवानिवृत समिति प्रबंधक मारुति लाल कोचे को सर्वप्रथम तिलक एवं गुलाल लगाकर स्वागत किया गया तत्पश्चात उनके समिति के प्रति सच्चे निष्ठा भाव से कर्तव्य को पूरा करने का बखान करते हुए कोचे जी को सेवानिवृत्ति का प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर ससम्मान पूर्वक विदाई दी गई।

'एक पेड़ मॉं के नाम' के तहत ब्राह्मण समाज द्वारा पौधरोपण

डोंगरगढ़ (दावा)।एक पेड़ मॉं के नाम के तहत ब्राह्मण समाज डोंगरगढ़ द्वारा केदार बाड़ी स्थित मुक्ति धाम में पीपल के तीन पौधे लगाये गये। साथ ही साथ उन्हें दूध से सिंचित किया गया। डोंगरगढ़ ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष अनिल पाण्डेय ने बताया कि एक स्वस्थ पेड़ हर दिन लगभग 230 लीटर ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे प्रति दिन रात लोगों को प्राण वायु मिल पाती है। जबकि पीपल का पेड़ हर दिन 100त्न आक्सीजन देता है, जिससे प्रतिदिन आठ लोगों को प्राण वायु मिलती है। इसलिए ब्राह्मण समाज ने पीपल के पौधा लगाया है और साथ ही साथ इसे पाल पोसकर पेड़ बनाने का संकल्प लिया है। इसमें ललित शर्मा, राजेन्द्र गर्ग, लक्ष्मीनारायण पाण्डेय, प्रकाश शर्मा, आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पहला कॉलम...

अप्रैल-जुलाई में यूपीआई से हुआ 81 लाख करोड़ रुपये का लेन-देन

नई दिल्ली। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से अप्रैल-जुलाई की अवधि में 81 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ है। इसमें सालाना आधार पर 37 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। ग्लोबल पेमेंट्स हब पेसिक्योर की ओर से जारी किए गए लेटेस्ट डेटा में कहा गया है कि यूपीआई से प्रति सेकंड 3,729.1 लेनदेन हो रहे हैं। 2022 में यह आंकड़ा 2,348 लेनदेन प्रति सेकंड था। इस दौरान यूपीआई से लेनदेन में 58 प्रतिशत का इजाफा देखा गया है। आंकड़ों के मुताबिक यूपीआई लेनदेन की संख्या के मामले में भारत, चीन के अलीपे, अमेरिका के पेपाल और ब्राजील के पिक्स से काफी आगे निकल गया है।

जुलाई में यूपीआई से कुल 20.6 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए। यह अब तक दर्ज किया गया यूपीआई लेनदेन का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके अलावा यूपीआई से होने वाले लेनदेन की कुल वैल्यू लगातार तीन महीने से 20 लाख करोड़ रुपये के ऊपर बनी हुई है। पेसिक्योर की ओर से यह डेटा दुनियाभर के शीर्ष वैकल्पिक भुगतान के तरीकों में से 40 की जांच करने के बाद जारी किया गया है।

पेसिक्योर के डेटा के मुताबिक, दुनिया में डिजिटल लेनदेन के मामले में भारत शीर्ष पर है। यहां 40 प्रतिशत के करीब लेनदेन डिजिटल तौर पर किए जाते हैं। डिजिटल भुगतान करने के लिए लोग सबसे ज्यादा यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के सीईओ दिलीप अस्बे ने कहा कि क्रेडिट ग्रोथ के साथ अगले 10 से 15 वर्षों में यूपीआई से होने वाले लेनदेन की संख्या 100 अरब पहुंचने की संभावना है।

भारत में जनवरी-जून के बीच 1.1 गीगावाट की अतिरिक्त रूफटॉप सोलर क्षमता का हुआ विस्तार

नई दिल्ली। देश में 2024 की पहली छमाही में रूफटॉप सोलर क्षमता में 1.1 गीगावाट का इजाफा हुआ। यह पिछले साल समान तिमाही में लगाई गई अतिरिक्त क्षमता 873 मेगावाट से 26 प्रतिशत ज्यादा है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मेरकॉम इंडिया की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में बताया गया कि रूफटॉप सोलर क्षमता में 1.1 गीगावाट का विस्तार होना किसी भी छमाही में नई कैपेसिटी लगने का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत रेसिडेंशियल रूफटॉप सोलर इन्सटॉलेशन क्षमता का काफी विस्तार हुआ है। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि 2024 की दूसरी तिमाही (अप्रैल से जून के बीच) देश में 731 मेगावाट की अतिरिक्त रूफटॉप सोलर क्षमता लगी है, जो पिछले साल समान अवधि के आंकड़े 388 मेगावाट से 89 प्रतिशत ज्यादा है।

मेरकॉम इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रियदर्शिनी संजय ने कहा कि हमेशा से कमर्शियल और इंडस्ट्रियल के मुकाबले रेजिडेंशियल सेक्टर में रूफटॉप सोलर इन्सटॉलेशन काफी कम रहा है, लेकिन पिछली तिमाही में इसमें करीब 10 गुना की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

अदाणी पोर्ट ने एस्ट्रो ऑफशोर में 185 मिलियन में खरीदी 80 प्रतिशत हिस्सेदारी

अहमदाबाद। अदाणी पोर्ट्स और स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने ग्लोबल ओएसवी (ऑफशोर सपोर्ट वेसल) संचालक एस्ट्रो ऑफशोर में 185 मिलियन डॉलर में 80 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया। यह एक ऑल-कैश डील थी। एस्ट्रो के आने से अदाणी पोर्ट्स के ग्लोबल मरीन पोर्टफोलियो को बढ़ाने में मदद मिलेगी और इससे टियर-1 के ग्राहकों को जोड़ने में मदद मिलेगी। अदाणी ग्रुप की कंपनी की ओर से कहा गया कि इस ट्रांजैक्शन का उद्यम वैल्यू 235 मिलियन डॉलर है। पहले वर्ष से ही कंपनी की फाइनेंसियल पर इसका असर देखने को मिलेगा। एपीएसईजेड के पूर्णकालिक डायरेक्टर और सीईओ अश्विनी गुप्ता ने कहा कि एस्ट्रो का अधिग्रहण हमारे रोडमैप दुनिया के सबसे बड़े मरीन ऑपरेटर बनने के लक्ष्य के तहत किया गया है। एस्ट्रो के अधिग्रहण से हमारी मौजूदा 142 टग और ड्रेजर के वर्तमान बेड़े में 26 ओएसवी जुड़ेंगे। इसके बाद हमारे बेड़े के आकार बढ़कर 168 हो जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि इस अधिग्रहण से टियर-1 ग्राहकों तक कंपनी को पहुंचने में मदद मिलेगी। इससे अरब सागर, भारतीय उपमहाद्वीप और पूर्वी एशिया के बाजार पर पकड़ मजबूत होगी।

एस्ट्रो मध्यपूर्व, भारत, पूर्वी एशिया और अफ्रीका में एक ग्लोबल ओएसवी ऑपरेटर है। 30 अप्रैल 2024 को एस्ट्रो ने 95 मिलियन डॉलर की आय और 41 मिलियन डॉलर का ईबीआईटीडीए दर्ज किया था। कंपनी का नेट कैश पॉजिटिव है। अदाणी पोर्ट्स देश की सबसे बड़ी पोर्ट डेवलपर और ऑपरेटर हैं। कंपनी के देश में 15 स्थानों पर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पोर्ट और टर्मिनल हैं। अदाणी पोर्ट्स ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 3,107 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। इस दौरान कंपनी की आय 7,560 करोड़ रुपये रही थी।

पीएम मोदी ने भारतीय पैरालंपिक पदक विजेताओं से फोन पर की बात, खिलाड़ियों के प्रयास को सराहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पेरिस पैरालंपिक में पदक जीतने वाले पैरा खिलाड़ियों से फोन पर बात की और उनके प्रयासों को सराहा। अधिकारियों के अनुसार, पीएम ने इस दौरान मोना अग्रवाल, प्रीति पाल, मनीष नरवाल और रुबीना फ्रांसिस से बात की। पीएम मोदी ने इस दौरान प्रत्येक पदक विजेताओं को बधाई दी और कहा कि इन्होंने अपने प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है। अधिकारियों ने बताया कि मोदी ने अवनि लेखरा को उनके आगे की स्पर्धा के लिए शुभकामनाएं दी। मालूम हो कि अवनि प्रधानमंत्री के साथ फोन पर बात नहीं कर सकी थीं क्योंकि वह अन्य स्पर्धा में हिस्सा ले रही थीं।

मोदी ने मनीष नरवाल से बातचीत करते हुए कहा, मनीष आप कैसे हैं? वहां की कोई खास बताना चाहेंगे? इस पर मनीष नरवाल ने कहा, सर, यहां मौसम काफी अच्छा है और भारतीय निशानेबाज काफी अच्छी मेहनत करके आए हैं। हम पिछली बार से ज्यादा पदक ही लेकर आएंगे। टीम में काफी खुशी का माहौल है। अवनि ने स्वर्ण से शुरुआत कराई है। पीएम मोदी ने काह, मनीष मेरी तरफ से आप लोगों को बहुत-बहुत बधाई। मोदी ने रुबीना फ्रांसिस से

उनके हाल जाने। रुबीना ने प्रधानंत्री से बातचीत के दौरान कहा, सर हम अच्छे हैं और मैं पिछली बार सातवें स्थान पर रही थी और इस बार कांस्य लाने में सफल रही। मेरे लिए काफी चीजें बदली हैं। मुझे काफी गर्व महसूस हो रहा है। मोदी ने कहा, आपको बहुत-बहुत बधाई और आगे के लिए शुभकामनाएं। वहां जो अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं जिनके मुकाबले होने बाकी हैं उन्हें भी मेरी तरफ से शुभकामनाएं देना। आप मेरी तरफ से अवनि को बधाई देना। मैं मौका मिलते ही उनसे बात करूंगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

भारत ने जीते हैं अब तक पांच पदक

भारत ने पेरिस पैरालंपिक में अब तक पांच पदक अपने नाम किए हैं जिसमें एक स्वर्ण पदक भी शामिल है। अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया था, जबकि मोना ने इसी स्पर्धा का कांस्य अपने नाम किया था। वहीं, पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में मनीष नरवाल ने रजत पदक जीता था। इसके अलावा प्रीति पाल ने महिलाओं की 100 मीटर टी35 स्पर्धा और रुबीना फ्रांसिस ने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 में कांस्य पदक जीता था।

अवनि ने टोक्यो में भी हासिल की थी सफलता

टोक्यो पैरालंपिक में अवनि ने एक स्वर्ण और एक कांस्य समेत दो पदक जीते थे। स्वर्ण उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीता था और कांस्य उन्होंने महिलाओं की 50 मीटर राइफल की पी-3 एसएच-1 स्पर्धा में अपने नाम किया था। वह भारत की पहली महिला एथलीट बनी थीं, जिन्होंने एक पैरालंपिक में दो मेडल जीते थे। उनसे पहले जोगिंदर सिंह सोढ़ी इन खेलों के एक ही चरण में कई पदक जीतने वाले पहले भारतीय थे। अवनि पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी भी हैं।

निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बावजूद पदक से चूके रवि

पेरिस। भारत के रवि रोंगाली से पेरिस पैरालंपिक में पदक लाने की उम्मीद थी, लेकिन वह पुरुषों की एफ40 गोला फेंक फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे और पदक लाने से चूक गए। पिछले साल चीन में एशियाई पैरा खेलों में रजत पदक जीतने वाले रवि ने हालांकि 10.63 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन यह शीर्ष तीन में पहुंचने के लिए काफी नहीं था। विश्व रिकॉर्ड धारक पुर्तगाल के मिगुएल मोंटेरो ने 11.21 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि मंगोलिया के बटुल्गा त्सेगमिड (11.09 मीटर) ने कांस्य पदक जीता।

मौजूदा एशियाई पैरा खेलों के चैंपियन इराक के गर्राह तनैयाश ने 11.03 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता, जबकि टोक्यो पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता और मौजूदा विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियन रूस डेनिस गनेजडिलोव 10.80 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे। वह पेरिस पैरालंपिक में तटस्थ एथलीट के रूप में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। एफ40 वर्ग छोटे कद वाले खिलाड़ियों के लिए है।

सीपीएल में आया निकोलस पूरन नाम का तूफान, 16 गेंदों में ठोक दिए 82 रन

नईदिल्ली। विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर निकोलस पूरन एक खतरनाक बल्लेबाज हैं, विपक्षी गेंदबाजों के लिए बुरा सपना बनते जा रहे हैं. अब कैरेबियन प्रीमियर लीग में शनिवार की रात तूफानी बल्लेबाजी की और सिर्फ 16 गेंदों पर ही 82 रन बना दिए थे. हालांकि, अपनी तूफानी पारी के बावजूद पूरन अपना शतक पूरा नहीं कर सके.

कैरेबियन प्रीमियर लीग में शनिवार को त्रिनबागो नाइट राइडर्स का सामना सेंट किट एंड नेविस से हुआ. जहां, नाइट राइडर्स टीम की ओर से खेल रहे निकोलस पूरन ने तहलका मचाकर रख दिया. वह जब बल्लेबाजी के लिए क्रीज पर आए, तब उनकी टीम का स्कोर 44/1 था, लेकिन फिर पूरन ने आतिशी बल्लेबाजी शुरू कर दी.

शुरुआती 18 गेंदो में तो उन्होंने 82 रन ठोक दिए. ऐसा लग रहा था कि सबसे तेज टी-20 सेंचुरी का रिकॉर्ड टूट सकता है. मगर, फिर पूरन की पारी कुछ स्लो हुई और वह 225.58 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 43 गेंद पर 97 रन बनाकर आउट हो गए. इतनी तेज बल्लेबाजी करने के बावजूद पूरन सेंचुरी पूरी नहीं कर सके और 3 रन से चूक गए. पूरन इस वक्त खतरनाक फॉर्म में हैं. इससे पहले साउथ अफ्रीका के साथ खेली गई सीरीज में भी उन्होंने कमाल की बल्लेबाजी की थी और सेंचुरी ठोकी थी. पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की टीम ने निकोलस पूरन की तूफानी पारी की बदौलत 250/4 का स्कोर बोर्ड पर लगाया.

पूरन के अलावा कीसी कार्टी ने 35 गेंद पर 73 रन की धाकड़ पारी खेली. 251 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट किट एंड नेविस की टीम ने पूरी कोशिश की, लेकिन वह 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 206 रन तक ही पहुंच सकी. इस तरह नाइट राइडर्स ने 44 रनों से एक बड़ी जीत अपने नाम की.

बोपन्ना-सुत्जियादी मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

न्यूयॉर्क। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और उनकी इंडोनेशियाई जोड़ीदार एल्डिला सुत्जियादी ने ऑस्ट्रेलियाई चेक जोड़ी जॉन पीयर्स और कैटरीना सिनियाकोवा को हराकर यूएस ओपन के मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। बोपन्ना और सुत्जियादी ने कोर्ट 12 पर एक घंटे 13 मिनट तक चले मैच में पीयर्स और सिनियाकोवा को 0-6, 7-6(5), 10-7 से हराया। 3 सितंबर को होने वाले क्वार्टर फाइनल में बोपन्ना का सामना मैथ्यू एबडेन से होगा, जिन्होंने चेक खिलाड़ी बारबोरा क्रेजिकोवा के साथ जोड़ी बनाई है।

इससे पहले, बोपन्ना और सुत्जियादी ने डेमी शूर्स और टिम पुट्ज़ की डच-जर्मन जोड़ी को 98 मिनट में 7-6, 7-6 से हराया और फिर रॉबर्टो कार्बालेस बेना और फेडेरिको कोरिया की स्पेनिश-अर्जेंटीना जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया।

इससे पहले, शुक्रवार को पुरुष युगल में, बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई साथी एबडेन ने रॉबर्टो कार्बालेस बेना और फेडेरिको कोरिया की स्पेनिश-अर्जेंटीना जोड़ी को सीधे सेटों में 6-2, 6-4 से 60 मिनट में हराकर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया था। मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन बोपन्ना और एबडेन रविवार को पुरुष युगल के अंतिम 16 के मुकाबले में अर्जेंटीना के एंड्रेस मोल्टेनी और मैक्सिमो गोंजालेज की जोड़ी से भिड़ेंगे।

भारत के युकी भांबरी और फ्रांसीसी अल्बानो ओलिवेटी की एक अन्य पुरुष युगल जोड़ी, जिन्होंने दूसरे दौर में ऑस्टिन क्राजिसेक और जीन-जूलियन रोजर की 15वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी-डच जोड़ी को हराया था, रविवार को ग्रैंडस्टैंड में शीर्ष वरीयता प्राप्त स्पेनिश-अर्जेंटीना की जोड़ी मार्सेल ग्रेनोलर्स और होरासियो ज़ेबालोस से भिड़ेगी।

विमेंस बिग बैश के ड्राफ्ट में जेमिमा और दीप्ति शामिल-कुल 6 भारतीय खिलाड़ी चुनी गई, स्मृति मंधाना एडिलेड स्ट्राइकर्स से खेलेंगी

स्पोर्ट्स तक। विमेंस बिग बैश लीग 2024 के ओवरसीज ड्राफ्ट में जेमिमा रॉड्रिग्स और दीप्ति शर्मा सहित 6 भारतीय खिलाड़ियों को चुना गया है। जेमिमा रॉड्रिग्स और शिखा पांडे ब्रिस्बेन हीट की तरफ से खेलेंगी। वहीं ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा मेलबर्न स्टार्स से खेलती नजर आएंगी। इससे पहले स्मृति मंधाना को डिफेंडिंग चैंपियन एडिलेड स्ट्राइकर्स ने प्री-ड्राफ्ट ओवरसीज खिलाड़ी के रूप में चुना था।

विमेंस प्रीमियर लीग और विमेंस कैरेबियन लीग के बाद जेमिमा रॉड्रिग्स, जेस जोनासन और शिखा पांड़े विमेंस बिग बैश लीग में भी एक टीम से खेलती नजर आएंगी। तीनों ही खिलाड़ियों को ब्रिस्बेन हीट ने इस सीजन के लिए अपने साथ जोड़ा है। तीनों खिलाड़ी WPL में दिल्ली कैपिटल्स और WCPL में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए एक टीम से खेल चुकी हैं। भारतीय ओपनर स्मृति मंधाना विमेंस बिग बैश लीग के इस सीजन में डिफेंडिंग चैंपियन एडिलेड स्ट्राइकर्स से खेलती नजर आएंगी। उन्होंने फ्रेंचाइजी के साथ प्री-ड्रॉफ्ट ओवरसीजन कॉन्ट्रैक्स साइन किया है। वे ऐसा करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी हैं। मंधाना के अलावा, कप्तान हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रॉड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को भी के ड्रॉफ्ट में शामिल किया गया है।

28 साल की मंधाना लीग के 10 साल के इतिहास में चौथी टीम से खेलती नजर आएंगी। इससे पहले मंधाना ने 2016 में ब्रिस्बेन हीट, 2018-19 में होबार्ट हरिकेन्स, 2021 में सिडनी थंडर्स का हिस्सा रह चुकी हैं। भारत की वाइस कैप्टन मंधाना 2023 में इस लीग का हिस्सा नहीं थीं। उन्होंने वर्कलोड मैनेजमेंट और घरेलू क्रिकेट के कारण लीग में हिस्सा नहीं लेने का फैसला लिया था।

विमेंस ड्राफ्ट के लिए केट क्रॉस और लॉरेन फिलर शामिल

महिलाओं के ड्राफ्ट के लिए इंग्लैंड की केट क्रॉस और लॉरेन फिलर, दोनों पूरे सीजन के लिए उपलब्ध हैं। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज शबनम इस्माइल, जिन्हें होबार्ट हरिकेंस द्वारा रिटेन किया जा सकता है। इस वर्ष के BBL ड्राफ्ट के लिए 30 अलग-अलग देशों के खिलाड़ी के नाम मांगे गए थे।

इसमें हांगकांग, युगांडा, जापान, ग्रीस, इंडोनेशिया और रोमानिया जैसे उभरते क्रिकेट देशों के भी खिलाड़ी है। ड्राफ्ट में कई बिग बैश आइकन की वापसी भी देखी गई है। हारिस रउफ, जिन्हें मेलबर्न स्टार्स द्वारा रिटेन किया जा सकता है। उन्होंने 6-9 गेम प्लस फाइनल के लिए नामांकन किया गया है। स्टार्स के साथ उनका पिछला कार्यकाल शानदार था। उन्होंने मेलबर्न स्टार्स को कई मैच जिताए थे।

ज्योतिष चमत्कार (2 सितम्बर 2024)

कल्याण

सोम	3	4	5	6
	39	41	59	63
मंगल	4	5	6	7
	43	57	65	79
बुध	5	6	7	8
	53	67	75	81
गुरू	6	7	8	9
	69	73	85	97
शुक्र	7	8	9	0
	71	87	95	01
शनि	8	9	0	1
	89	93	03	13
अंकों का बादशाह	3			
सप्ताह का वरदान	4			
सप्ताह में अचूक	5	7	8	9
स्पेशल	51	72	86	90

राजधानी नाईट

सोम	8	9	0	1
	80	92	08	12
मंगल	9	0	1	2
	91	06	14	20
बुध	0	1	2	3
	04	18	28	32
गुरू	1	2	3	4
	10	26	34	40
शुक्र	2	3	4	5
	24	36	48	52
अंकों का बादशाह	2			
सप्ताह का वरदान	3			
सप्ताह में अचूक	4	8	9	0
स्पेशल	41	85	96	07

सप्ताह में देखें (कल्याण)

1	12	14	18	10
2	24	26	28	20
3	32	34	36	30
4	42	46	48	40
5	52	54	56	58
6	62	64	68	60
7	74	76	78	´70
8	82	84	86	80
9	92	96	98	90
0	02	04	06	08

सप्ताह में देखें (राजधानी नाईट)

1	13	15	17	19
2	21	23	25	29
3	31	35	37	39
4	41	43	45	47
5	51	53	57	59
6	63	65	67	69
7	71	73	75	´79
8	81	85	87	89
9	91	93	95	97
0	01	03	07	09

अंक आपके पत्ते हमारे

1	2	3	4	5	6	7	8	9	0
128	138	148	149	140	123	160	134	234	127
245	129	238	130	230	150	250	233	379	136
489	237	490	239	357	259	278	279	225	280
290	570	670	680	456	349	458	260	270	479
344	228	355	789	339	790	449	125	126	677

बीते चार सप्ताह के रिकार्ड

कल्याण

07	67	46	49	64	87
16	99	40	**	33	82
04	45	24	16	89	28
28	25	16	12	20	65

राजधानी

91	12	08	45	67
67	27	03	**	16
06	71	06	01	39
82	53	80	33	75

2023-24 के रुके जोड़ भाव

कल्याण 2023- -09

2024- 11-17-18-19-10-22-35-43-54-57-61-68-69-71-74-85-86-80-09

राजधानी नाईट 2023 -35-62

2024- 15-19-10-26-35-30-44-59-62-65--69-73-70-88-89-92-94-04-00

चेतावनी :- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

प्रथम पेज का शेष

अदालती सुनवाई स्थगन संस्कृति...

न्यायपालिका, सरकार और पुलिस प्रशासन को मिलकर काम करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि जब बलात्कार जैसे जघन्य अपराध में अदालती फैसले एक पीढ़ी बीत जाने के बाद आते हैं, तो आम आदमी को लगता है कि न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता का अभाव है। उन्होंने कहा कि यह हमारे सामाजिक जीवन का एक दुखद पहलू है कि कुछ मामलों में साधन संपन्न लोग अपराध करने के बाद भी बेखौफ और खुलेआम घूमते रहते हैं। जो लोग अपराधों से पीड़ित होते हैं, वे इस डर में जीते हैं जैसे कि उन गरीबों ने कोई अपराध किया हो। राष्ट्रपति ने कहा कि गांवों के गरीब लोग अदालत जाने से डरते हैं।

वे बहुत मजबूरी में ही अदालत की न्याय प्रक्रिया में भागीदार बनते हैं। अक्सर वे चुपचाप अन्याय सहते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि न्याय के लिए लड़ना उनके जीवन को और अधिक कष्टमय बना सकता है। उनके लिए गांव से दूर एक बार भी अदालत जाना बहुत बड़े मानसिक और आर्थिक दबाव का कारण बन जाता है। ऐसे में कई लोग उस पीड़ा की कल्पना भी नहीं कर सकते जो अदालती सुनवाई के स्थगन की संस्कृति के कारण गरीब लोगों को होती है। इस स्थिति को बदलने के लिए हर संभव उपाय किए जाने चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि जेल में बंद महिलाओं के बच्चों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता उनके स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों का आकलन और सुधार करना होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किशोर अपराधी भी अपने जीवन के शुरुआती दौर में हैं। उनकी सोच और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उपाय करना, उन्हें जीवन जीने के लिए उपयोगी कौशल प्रदान करना और उन्हें मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना भी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि यह जानकर खुशी हुई कि शीर्ष न्यायालय ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधान को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू करने का आदेश दिया है। इसके तहत पहली बार जेल में बंद आरोपियों और निर्धारित अधिकतम कारावास अवधि का एक तिहाई हिस्सा काट चुके लोगों को जमानत पर रिहा करने का प्रावधान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आपराधिक न्याय की नई प्रणाली को इसी तत्परता से लागू करके हमारी न्यायपालिका न्याय के एक नए युग की शुरुआत करेगी।

आज बंगाल विधानसभा....

मुख्यमंत्रियों ने अपने राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर इस्तीफा दे दिया है? मुख्यमंत्री ने कोलकाता कांड की सीबीआई जांच की प्रगति पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा वे न्याय नहीं चाहते बल्कि देरी चाहते हैं।सीबीआई को जांच शुरू किए हुए 16 दिन हो गए हैं, लेकिन न्याय कहां है?

कांग्रेसियों द्वारा लॉ एंड ऑर्डर पर ...

लगातार समीक्षा ले रहे। मुय सचिव और कलेक्टर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लगातार निरीक्षण कर संसाधनों का उपयोग कर रहे है। छग में सभी तरह की संक्रमण बीमारियों पर हमारी टीम लगाम लगा ली है।

कांग्रेस ने सरकार पर ..

पुलिस रिपोर्ट लिखने में बहानेबाजी कर रही थी, मीडिया में दबाव के बाद रिपोर्ट लिखा गया। जशपुर के एक नाबालिक बच्ची के साथ सामूहिक दुराचार हो गया। कोण्डागांव में एक महिला के साथ सामूहिक दुराचार हो गया, 20 दिन तक रिपोर्ट नहीं लिखी गयी। बेहद दुर्भाग्यजनक है कि बंगाल की घटना पर प्रतिक्रिया देने वाले भाजपाई छत्तीसगढ़ में 4 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी पर मौन है। हमने इस संबंध में ज्ञापन सौपने राज्यपाल और मुख्यमंत्री से भी समय मांगा है। इस मामले में कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि हम अपनी बहन, बेटियों की रक्षा की लड़ाई लड़ेंगे, आंदोलन करेंगे। सरकार को महिलाओं की सुरक्षा के लिये मजबूर करेंगे। 2 सितंबर को इस मामले को लेकर पूरे प्रदेश में प्रेस कांफ्रेंस होगी तथा 3 सितंबर को प्रदेश के सभी जिलों में प्रदर्शन किया जायेगा।

पेरिस पैरालिंपिक- प्रीति पाल को 200 मीटर में भी ब्रॉन्ज : 100 मीटर में जीता था पहला मेडल; बैडमिंटन में सुहास और नितेश फाइनल में पहुंचे

पेरिस। पेरिस पैरालिंपिक के चौथे दिन देर रात भारत को एक और मेडल मिल गया। 200 मीटर विमेंस रेस में प्रीति पाल ने ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया। उन्होंने 100 मीटर रेस में भी ब्रॉन्ज जीता था। उनसे पहले बैडमिंटन मेंस में सुहास यथिराज और नितेश कुमार ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई थी।

पैरा बैडमिंटन के विमेंस मनीषा रामदास और नित्या श्रीसिवान ने सेमीफाइनल में जगह बना ली। कंपाउंड आर्चरी में राकेश कुमार सेमीफाइनल हार गए। वह ब्रॉन्ज मेडल मैच खेलेंगे। वहीं, 10 मीटर मिक्स्ड एयर राइफल में अवनि लेखरा और सिद्धार्थ बाबू क्वालिफिकेशन राउंड से बाहर हो गए। 632.8 के साथ अवनि 11वें तो 628.3 के साथ सिद्धार्थ 28वें स्थान पर रहे। अवनि ने दो दिन पहले विमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड जीता था।

प्रीति ने पर्सनल बेस्ट स्कोर के साथ मेडल जीता

200 मीटर विमेंस की टी-35 कैटेगरी रेस में प्रीति ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने 30.01 मीटर के पर्सनल बेस्ट टाइम के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की जिया झोऊ को गोल्ड और किआन गुओ को सिल्वर मेडल मिला। प्रीति ने 100 मीटर रेस में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता था। भारत के लिए 2 पैरालिंपिक मेडल जीतने वाली पहली ही प्लेयर हैं। प्रीति टी-35 कैटेगरी में खेलती हैं, इसमें वह प्लेयर शामिल होती हैं, जिन्हें हाइपरटोनिया, गतिभंग और एथेटोसिस जैसी बीमारी होती हैं।

धान के खेत में उत्तम पैदावार देती है

'अलसी'

धान के भारी खेत जिसमें नमी अधिक समय तक संचित रहती है वहां भी उतेरा पद्धति से अलसी की खेती की जा सकती है अलसी के अच्छे अंकुरण के लिये खेत को अच्छा भुरभुरा तैयार करना चाहिये। खेत को 2-3 बार आड़ी एवं खड़ी जुताई करके उसमें पाटा लगाकर नमी को संरक्षित करना चाहिये।

जलवायु

अलसी की फसल को ठंडे व शुष्क मौसम की आवश्यकता होती है इसके उचित अंकुरण के लिए 25-30 डिग्री सेल्सियस सेंटीग्रेट तथा बीज बनते समय 15-20 सेल्सियस सेंटीग्रेट तापमान होना चाहिये।

भूमि की तैयारी

अलसी की फसल के लिए काली, भारी एवं दोमट मिट्टी अधिक उपयुक्त होती है धान के भारी खेत जिसमें नमी अधिक समय तक सॅचित रहती है वहां भी उतेरा पद्धति से अलसी की खेती की जा सकती है अलसी के अच्छे अंकुरण के लिये खेत को अच्छा भुरभुरा तैयार करना चाहिये। खेत को 2-3 बार आड़ी एवं खड़ी जुताई करके उसमें पाटा लगाकर नमी को संरक्षित करना चाहिये। धान के खेतों में समय-समय पर खरपतवार निकालकर खेत को नींदा रहित करते हुये साफ रखना चाहिये।

फसल प्रणाली

अलसी को मुख्य फसल के रूप में लगाने के बजाय मिलवा या अंतरवर्तीय फसल के रूप में लगाने से अधिक आय संभव हैं। अंतरवर्तीय फसल पद्धति के अंतर्गत अलसी के साथ 3:1 के अनुपात में चना, सरसों, मसूर को भी लगाकर अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है।

उन्नत किस्में

जवाहर 16, जेएलएस 9,जवाहर 23, पूसा 2

बीजोपचार

थारयम या कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित करें व बीजोपचार के बाद राइजोबियम व पीएसबी कल्चर से 5-5 ग्राम/कि. बीज के हिसाब से उपचारित कर बुवाई करें।

बीज की गहराई

अलसी के बीज को नमी के आधार पर भूमि में 3 सेंमी की गहराई पर बुवाई करें. यदि भूमि में पर्याप्त नमी न हो तो उथली बुवाई लाभदायक होती है।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की खाद उपलब्ध होने पर अंतिम व बखरनी के समय 4-5 टन प्रति हेक्टेयर खेत में मिला दें। असिंचित अवस्था में 65:125 किलोग्राम, यूरिया, सिंगल सुपर फास्फेट व पोटाश प्रति हेक्टेयर सम्पूर्ण खाद बुवाई के समय में ही खेत में डालें। सिंचित अवस्था में 174:125:30:0 किलो ग्राम यूरिया, सिंगल सुपर प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें। नत्रजन की 2/3 मात्रा व स्फुर, पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय दें तथा नत्रजन की शेष 1/3 मात्रा को पहली सिंचाई के समय दें एवं उतेरा पद्धति में 20 किलो नत्रजन अलसी के फसल में दें।

खरपतवार नियंत्रण

अलसी की फसल को बुवाई से 30-35 दिन तक खरपतवारों से मुक्त रखना चाहिये। फसलों को नींदा रहित रखने के लिए बुवाई के 15-20 दिन बाद पहली निंदाई-गुड़ाई करनी चाहिये या रसायनिक खरपतवार नियंत्रण के अंतर्गत पेंडीमिथालीन खरपतवार-नाशक की 3.33 लीटर मात्रा को 600-700 ली. पानी में घोल बनाकर बीज के अंकुरण पूर्व उपयोग करें।

सिंचाई

अलसी की फसल में सिंचाई करने से उत्पादन में वृद्धि होती है अतः सिंचाई उपलब्ध होने पर पहली सिंचाई शाखा बनते समय व दूसरी सिंचाई कली बनने की अवस्था में करने से उत्पादन में वृद्धि होती है।

मसूर

की उन्नत खेती

भूमि

मसूर सभी प्रकार की भूमि में उगाई जा सकती है। किंतु सफल खेती के लिए दोमट और भारी भूमि इसके लिए अधिक उपयुक्त है। भूमि का पीएच मान 6.5 से 7.5 के बीच होना चाहिए।

भूमि की तैयारी

भूमि की तैयारी इस प्रकार करना चाहिए कि मिट्टी भुरभुरी तथा खरपतवार से रहित हो जाये। भारी भूमि में एक गहरी जुताई के बाद दो हल्की जुताई हो या देशी हल से करना चाहिए तथा प्रत्येक जुताई के बाद पाटा अवश्य लगाना चाहिए। जिससे नमी संरक्षित रहे।

बीज की मात्रा एवं बोने की विधि

सामान्यत: 35-40 किग्रा/हे. बीज बोना चाहिए। समय पर बोनी के लिए कतार से कतार की दूरी 30 सेमी तथा देरी से बोनी करने पर 20-25 सेमी. पर कतारों में बीज की 4-5 सेमी की गहराई पर सीडड्रिल से बोना चाहिए। थाईरम 2 ग्राम, 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करके बोना चाहिए। इसके बाद बीज को 10 ग्राम राइजोबियम तथा 10 ग्राम पीएसबी कल्चर से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बोनी करें।

बुवाई समय

असिंचित क्षेत्रों में नमी उपलब्ध रहने पर अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से नवम्बर के प्रथम सप्ताह तक बोनी करें। इसके बाद बोनी करने पर पकने की अवस्था पर तापक्रम बढ़ने में दाना छोटा व उपज में कमी आती है।

उन्नत जातियां

के 75 (मल्लिका), जे.एल.-1, एल.-4076, जे.एल. 3, आईपीएल-18, एल.9-2

खाद एवं उर्वरक

असिंचित अवस्था में 15:30:10 कि.ग्रा./हे. यूरिया, सिंगल सुपर फास्फेट एवं म्यूरेट ऑफ पोटाश तथा सिंचित खेती करने पर 43:350:33 किग्रा/हे. नत्रजन स्फुर एवं पोटाश बुवाई के समय खेत में डालना चाहिए।

सिंचाई

सामान्यत: बारानी खेती में ही मसूर की फसल को लिया जाता है। परन्तु यदि शीतकाल मे वर्षा का अभाव हो तो एक सिंचाई करने पर उपज में वृद्धि होती है।

फसल चक्र

धान-मसूर, सोयाबीन-मसूर, उड़द-मसूर, ज्वार-मसूर, बाजरा-मसूर
अंतरवर्तीय खेती : मसूर-सरसों (4:1), मसूर-जौ (4:2)

कटाई एवं गहाई

फसल पकने की अवस्था में पीली पड़कर सूखने लगती है। फसल की कटाई कर खलिहान में बैलों या ट्रेलर से गहाई कर पंखे से सफाई करना चाहिए तथा बीज को सुखाकर भंडारित करना चाहिये।

मुर्गियों की देखभाल

उपरोक्त इन लक्षणों के दिखाई देने पर ये उपाय करें

- बाड़े के चारों ओर छत से सटकर कम से कम दस फीट चौड़ा हरे रंग के जालीदार कपड़े का मंडप लगवाये जिससे धूप तथा गर्मी की तीव्रता कम हो जायें.
- बाड़े के छत को ऊपर सफेद पेंट लगवाये या फिर ऊपर घांसफूस डलवायें. इससे बाड़े के भीतर का तापक्रम 4 डिग्री सें. से कम होता है.
- बाड़े के चारों ओर ठंडे जल का छिड़काव करें.
- बाड़े की खुली बगलों पर टाट/बोरियों के पतले पर्दे लगवाकर उस पर छिद्रधारी पाईप द्वारा या अन्य तरीके से पानी का छिड़काव करें. इससे बाड़े के भीतर का तापक्रम काफी हद तक कम हो जाता है.
- अगर संभव है तो बाड़े में धीरे-धीरे घूमने वाले पंखे लगायें तथा फव्वारे द्वारा बाड़े में पानी की बारीक बूंदों में बौछार करें. यह बाडे के भीतर का तापक्रम कम करने का बेहतरीन तरीका हैं.
- बाड़े के इर्दगिर्द घने छायादार वृक्ष पहले ही लगायें तथा मुर्गी फार्म की बाड हरे घने पत्तेदार वनस्पति जैसे सुबबूल, मेहंदी या वर्ष के गर्मी के मौसम में जो भी स्थानिक वनस्पति हरी भरी रहती हैं वह लगवायें. इससे गर्म हवाओं के थपेड़े कम आते हैं. और मुर्गी फार्म का वातावरण ज्यादा गर्म नहीं होता.

यह भी रखें ध्यान

- अंडा उत्पादक मुर्गियों को पीने हेतु ठंडा जल प्रदान करें. पानी की टंकियों को सफेद रंग लगवाये या उनको बोरियाँ लपेटकर तथा उन पर पानी छिड़ककर गीला रखें. बड़े मटके या नॉंद में एक दिन पहले शाम को पानी भरकर रखें तथा दूसरे दिन ठंडा जल गर्मियों के वक्त थोड़ा-थोड़ा उपलब्ध करवायें.
- पीने के पानी में इलेक्ट्रोलाईट पाउडर घोलकर प्रवाहित करें ताकि मुर्गियों को वह उपलब्ध हो.
- पीने के पानी में विटामिन 'सी' एक हजार मुर्गियों को दस ग्राम इस अनुपात में डालें.
- अगर सघन बिछाली प्रणाली/डीप लीटर (यानि भूसे पर मुर्गियां रखी हैं. तो भूसे को सबेरे और शाम को ही उलट-पुलट करें.
- मुर्गियों के दाने/मॅश पर पानी हल्का सा डालें ताकि धूल ज्यादा ना उठें.
- मुर्गियों के दाने में प्रोटीन की मात्रा बढ़ायें. ताकि उनके शरीर भार में कमी ना आये.
- बाड़े के आसपास घांसफूस के लॉन (क्यारियाँ) लगवाये इससे सूरज की किरणों से तपती धरती से निकलने वाले किरण कम सान्द्र होते हैं. और आसपास का वातावरण ठंडा रहता हैं. इन क्यारियों पर पानी छिड़ककर उन्हें ठंडा रखें.
- मुर्गियों को सीप चूरा खिलायें ताकि कैल्शियम की पूर्ति होकर अंडों के छिलके पतले ना बनें.
- बाड़े में मुर्गियाँ इतनी ही रखें जिससे बाड़े में वे आराम से रह सकें और कतई भीड़ न हो.

- मुर्गियां बाड़े में तितर-बितर होकर दूर-दूर खड़ी रहती हैं ये सुस्त दिखाई देती हैं.
- कुछ मुर्गियां शरीर की गर्मी कम करने हेतु पंख फैलाकर रखती हैं.
- कुछ मुर्गियाँ लगातार चॉंच खोलती हैं तथा बंद करती हैं और
- कुछ मुर्गियों को सांस लेने में कठिनाई होती हैं.
- कुछ मुर्गियां गर्मी का असर कम करने हेतु अपने पिछले हिस्से पर चौंच मारकर पंख तोड़ने की कोशिश करती हैं.
- ज्यादातर मुर्गियाँ बारबार पानी पीने हेतु पानी के बर्तनों के पास ही दिखाई देती हैं.
- ज्यादा गर्मी होने पर कुछ मुर्गियाँ बेहोश भी हो सकती हैं.
- उनके शरीर भार में कमी आती हैं और वे कमजोर हो जाती हैं.
- उनके अंडों का वजन तथा आकार कम हो जाता हैं तथा अंडों के छिलके पतले हो जाते हैं.

कैसे पालें नवजात बछड़े

- **व्यवस्था** : नये जन्मे बछड़े का स्वास्थ्य तथा जीवन निर्भर करता है. बछड़े को पालने की व्यवस्था की परिकल्पना पूर्णत: बन्द बसेरों (बार्न) से लेकर कम से कम आश्रय तक होती है। बछड़े के तबेले का वातावरण इस तरह होना चाहिए कि बछड़े को कम से कम तनाव हो, फर्श सूखा तथा साफ हो. गर्मी, ठण्ड, हवा और बारिश से सुरक्षा आवश्यक है. हमारा प्रबंधन ऐसा हो कि पशु को पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो जिससे कि वह सुख से रहे तथा पर्याप्त वायु संचार हो.
- **बछड़ों का बाड़ा** : अलग बाड़ा बछड़ों को अलग रखने में मदद करता है जिससे संक्रामक बीमारियों को फैलने से रोका जा सकता है तथा हम आसानी से बछड़े के आचरण, भोजन का उपभोग, मल तथा मूत्र त्याग आदि सभी का निरीक्षण कर सकते हैं.
- **झोपड़ी** : अलग झोपड़ी जो कि लगभग 4×8 फिट की लकड़ी की बनी झोपड़ियों में बछड़ों को पाल सकते हैं. थोड़ी छोटी पृथकझोपड़ियों में बछड़ों को दो से तीन करके पाल सकते हैं. बाड़ों की तुलना में झोपड़ियों में ज्यादा मेहनत लगती है लेकिन झोपड़ियों में बिना दूध दोहे बछड़ों को पूर्णत: अलग करने में मददगार होते हैं. झोपड़ियां आसानी से घुमायी और परिवर्तित की जा सकती है ताकि हम सूर्य के प्रकाश, तापमान व वायु के प्रवाह को आसानी से व्यवस्थित कर सकें. झोपड़ियों को आसानी से साफ रख सकते हैं. फाइबर ग्लास व पॉलीथिन की झोपड़ियां, लकड़ी की झोपड़ियों व धातु के बाड़ों की तुलना में आसानी से बनाई जा सकती है लेकिन सूर्य के तापमान को कम करने के लिए यह आवश्यक है कि यह अपारदर्शी हो.
- **बन्द मकान** : मकान जिसमें बंद व अलग बाड़ा हो बन्द मकान कहलाता है. बन्द मकान में सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु पर्याप्त वायु संचार होता है. वातावरणीय रूप से नियंत्रित बंद मकान बनाने व रख-रखाव में मंहगे होते हैं.

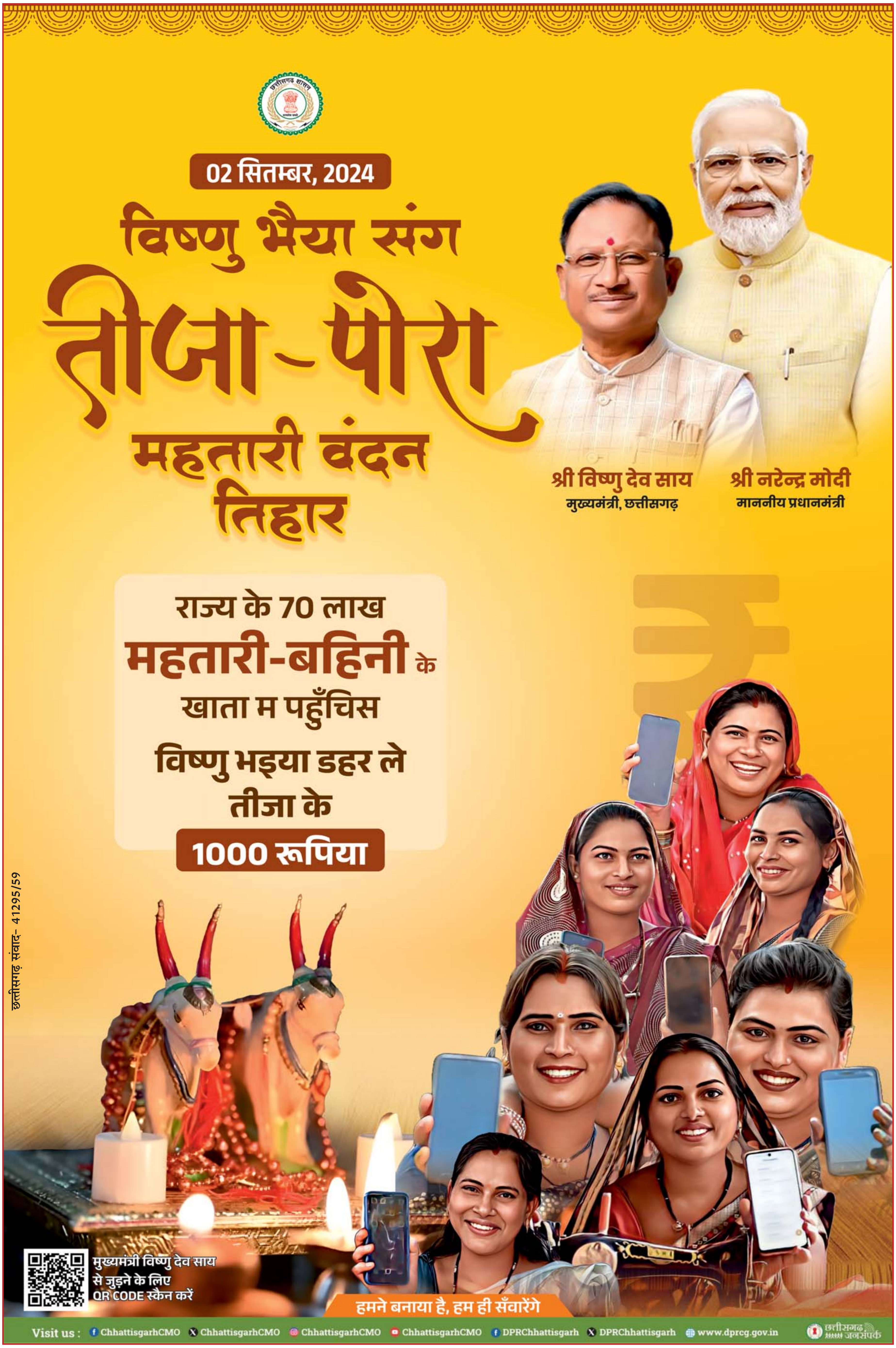

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com